RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:304 ता. 30 मई 2023, मंगलवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

आंधी-तूफान से महाकाल लोक में हुई क्षति पर शिवराज के अधिकारियों को निर्देश

भोपाल। मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र में तेज आंधी तूफान में उज्जैन स्थित श्री महाकाल लोक की कुछ मूर्तियों के क्षतिग्रस्त होने के मामले में प्रदेश में जोर पकड़ती राजनीति के बीच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घटनाक्रम का संज्ञान लेते हुए फोन पर आला अधिकारियों से चर्चा कर उन्हें आवश्यक निर्देश दिए।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उज्जैन कलेक्टर और उज्जैन संभाग आयुक्त से कल ही फोन पर चर्चा की। श्री चौहान को अधिकारियों ने बताया कि कल मालवा क्षेत्र के उज्जैन एवं आसपास के इलाक़ों में तेज तूफ़ान से प्राकृतिक आपदा जैसी स्थित उत्पन्न हुई। इसमें दो लोगों की मृत्यु हो गई और तीन लोग घायल हुए। लगभग 50 वृक्ष और बहुत से बिजली के खंभे उखड़ गए। मुख्यमंत्री श्री चौहान को बताया गया कि श्री महाकाल लोक में 155 प्रतिमाएँ हैं, जिनमें से 6 खंडित हुई हैं। ये सभी डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड के तहत कांट्रेक्टर द्वारा नयी स्थापित की जाएंगी। चौहान ने कहा कि ऐसी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में जहां तेज आंधी तूफान में तीन लोगों की मृत्यु हुई हो, लोग घायल हुए हों, वहां कांग्रेस मध्यप्रदेश के लोगों के साथ खड़े होने की बजाए राजनीति कर रही है और बिना किसी तथ्य को सामने रखे सिर्फ़ भ्रम फैलाने का काम कर रही है। उज्जैन में कल तेज आंधी-तूफान के कारण महाकाल लोक की कुछ मूर्तियां क्षतिग्रस्त हो गईं। इनसे जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कांग्रेस ने इस मामले में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और संपूर्ण मामले की जांच के लिए एक समिति का भी गठन कर दिया। पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कमलनाथ ने अपने ट्वीट में कहा कि मध्यप्रदेश की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने जब उज्जैन में महाकाल मंदिर परिसर का भव्य निर्माण करने का संकल्प लिया था

चीन की काट को भारत और अमेरिका समेत 14 देश आ गए साथ, बना लिया है बड़ा प्लान

सप्लाई चेन के मामले में चीन को जवाब देने के लिए अमेरिका और भारत समेत दुनिया के 14 देश सामने आए हैं। इंडो-पैसेफिक इकनॉमिक फ्रेमवर्क के तहत इन 14 देशों ने एक डील की है। इससे सप्लाई चेन दुरुस्त होगी।

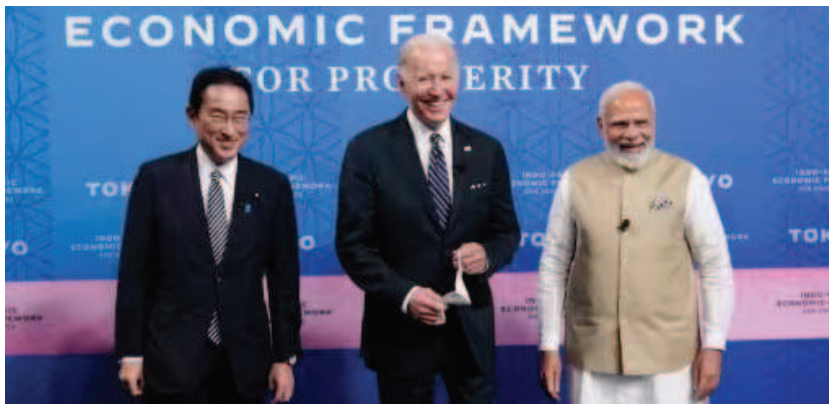

नई दिल्ली। सप्लाई चेन के मामले में चीन को जवाब देने के लिए अमेरिका और भारत समेत दुनिया के 14 देश सामने आए हैं। इंडो-पैसेफिक इकनॉमिक फ्रेमवर्क के तहत इन 14 देशों ने एक डील की है। इसके जरिए सप्लाई चेन को दुरुस्त तिया जाएगा। इसके अलावा इन्फॉर्मेशन शेयरिंग और क्राइसिस की स्थिति में सहयोग को लेकर भी करार हुआ है। इसी वीकेंड में डेट्रॉइट में आईपीईएफ देशों की मीटिंग हुई थी। इस दौरान ग्रुप ने आईपीईएफ की सप्लाई चेन काउंसिल को गठित करने पर सहमति जताई। ग्रुप की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई है। इसके माध्यम से चीन को जवाब देने की तैयारी है। इसके तहत सदस्य देशों ने ट्रेड, क्लीन इकॉनमी और फेयर इकॉनमी पर भी काम करने का फैसला लिया है। क्लीन इकॉनमी फ्रेमवर्क के तहत सदस्य देशों ने रीजनल हाइड्रोजन इनिशिएटिव शुरू करने का फैसला लिया है। भारत ने आईपीईएफ के 4 स्तंभों में से 3 को जॉइन करने का फैसला लिया है, जबकि ट्रेड पिलर में ऑब्जर्वर के तौर पर रहने की सहमति दी है। इस मीटिंग में भारत की ओर से वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल शामिल हुए। उन्होंने मीटिंग के बाद ट्वीट कर कहा कि भारत ने एक बार फिर से मजबूत सप्लाई चेन बनाने और क्लीन एवं फेयर इकॉनमी डिवेलप करने पर सहमति जताई है। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री गिना रायमोंडो ने ट्वीट कर कहा कि हमें खुशी है कि हम पहली बार इस तरह के सप्लाई चेन अग्रीमेंट को लेकर आगे बढ़े हैं। अमेरिका की मंत्री ने कहा कि यह बड़ी डील है। यह अपने आप में पहला ऐसा अंतरराष्ट्रीय करार है, जब इंडो-पैसिफिक के 14 देशों ने सप्लाई चेन को लेकर साथ आने पर सहमति जताई है। भारत और अमेरिका के अलावा जिन देशों ने इस फ्रेमवर्क में शामिल होने का फैसला लिया है, उनमें ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, जापान, साउथ कोरिया, मलयेशिया शामिल हैं। इनके अलावा न्यूजीलैंड, फिलीपींस, फिजी, ब्रूनेई, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम भी इसका हिस्सा होंगे। इस फ्रेमवर्क के जरिए सप्लाई चेन के मामले में चीन जैसे देश की निर्भरता कम करने का प्रयास होगा। दरअसल कोरोना काल में चीन के चलते दुनिया की सप्लाई चेन बाधित हुई थी। उसके बाद से ही ऐसे किसी फ्रेमवर्क की जरूरत महसूस की जा रही थी।

ISRO ने लॉन्च किया 'नाविक' सैटेलाइट, पुख्ता सुरक्षा को रखेगा दुश्मन पर नजर

नई दिल्ली। धरती से लेकर अंतरिक्ष तक भारत की उपलब्धियों की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है। सोमवार को इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन यानी ISRO ने सफलतापूर्वक नेविगेशन सैटेलाइट NVS-1 को लॉन्च कर दिया है। खास बात है कि यह अंतरिक्ष यान नेविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन सीरीज का हिस्सा है। इसरो इसके जरिए मॉनिटरिंग और नेविगेशन के क्षेत्र में क्षमता बढ़ाना चाहता है। अंतरिक्ष एजेंसी ने दूसरी पीढ़ी की नौवहन उपग्रह श्रृंखला के प्रक्षेपण की योजना बनाई है जो नाविक (जीपीएस की तरह भारत की स्वदेशी नौवहन प्रणाली) सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करेगी। यह उपग्रह भारत और मुख्य भूमि के आसपास लगभग 1,500 किलोमीटर के क्षेत्र में तात्कालिक स्थिति और समय से जुड़ी सेवाएं देगा। इसरो के सूत्रों ने बताया कि प्रक्षेपण के लिए उल्टी गिनती रविवार को सुबह सात बजकर 12 मिनट पर शुरू हो गई थी। खबर है कि 51.7 मीटर लंबा

जीएसएलवी अपनी 15वीं उड़ान में 2,232 किलोग्राम वजनी एनवीएस-01 नौवहन उपग्रह को लेकर रवाना हो गया। इसरो ने कहा कि प्रक्षेपण के करीब 20 मिनट बाद, रॉकेट लगभग 251 किमी की ऊंचाई पर भू-स्थिर स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में उपग्रह को स्थापित करेगा।

राहुल गांधी को मिल नया पासपोर्ट, अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। राहुल गांधी को नया पासपोर्ट मिल गया है और वह अमेरिका यात्रा पर जा रहे हैं। सोमवार को वह यूएस के सैन फ्रांसिस्को जाएंगे और वहां से तीन शहरों की यात्रा करेंगे। बता दें कि मानहानि मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद राहुल गांधी की सांसदी चली गई। इसके बाद उनका डिप्लोमैटिक पासपोर्ट भी जमा हो गया था। दो दिन पहले एक लोकल कोर्ट ने उनको साधारण पासपोर्ट जारी करने का आदेश दिया था। पुराने पासपोर्ट को जमा करने के बाद राहुल गांधी ने साधारण पासपोर्ट के लिए अप्लाई किया था। सैन फ्रांसिस्को में राहुल गांधी स्टैनफोर्ट यूनिवर्सिटी में छात्रों से बात करेंगे। इसके बाद राहुल गांधी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित करेंगे। वह वॉशिंगटन डीसी में थिंकटैंक्स और सांसदों से भी बात करेंगे। 4 जून को राहुल गांधी न्यूयॉर्क में बड़े जनसमूह को संबोधित करेंगे। आगामी चार जून को वह न्यूयॉर्क में भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करेंगे। सूत्रों ने बताया कि पासपोर्ट कार्यालय ने भरोसा दिलाया था कि रविवार को पासपोर्ट मिल जाएगा और उन्हें दोपहर के समय पासपोर्ट मिल गया। दिल्ली की एक अदालत ने राहुल गांधी को 10 वर्ष के बजाय तीन वर्ष के लिए सामान्य पासपोर्ट जारी किए जाने के लिए शुक्रवार को अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी किया था। इसे भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की आपत्ति के बाद तीन साल के लिए जारी किया गया जो नेशनल हेराल्ड मामले में शिकायतकर्ता हैं। राहुल गांधी इस मामले में आरोपी हैं।

बजरंग-साक्षी समेत 109 लोगों पर एफआईआर, पहलवान दिल्ली से रवाना हुए

पानीपत। दिल्ली में नए संसद भवन के सामने महापंचायत में शामिल होने जा रहे पहलवानों और पुलिस के बीच रविवार को झड़प हुई। पुलिस ने महापंचायत की इजाजत नहीं दी थी। पहलवानों ने नई संसद तक जाने के लिए बैरिकेड्स भी तोड़ दिए। इसके बाद पुलिस से उनकी झड़प हुई। इसके बाद विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया समेत कई पहलवानों को हिरासत में लिया गया। इसके बाद पुलिस ने जंतर-मंतर पर 23 अप्रैल से धरना दे रहे पहलवानों के टेंट उखाड़ दिए। बजरंग, साक्षी और विनेश समेत 109 लोगों पर स्नढ्ढक्र दर्ज की गई है। इन पर दंगा फैलाने, सरकारी काम में बाधा डालने जैसे आरोप हैं। इन मामलों में 7 साल तक कारावास का प्रावधान है। पुलिस एक्शन के बाद विनेश ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर से जा रहे पहलवानों का पुलिस ने पीछा किया। सवाल करने पर सुरक्षा मुहैया कराने का हवाला दिया। विनेश बोलीं- क्या पता बृजभूषण ने ही अपने हथियारबंद लोग भेजे हों और हो सकता है हमारा एनकाउंटर करा दिया जाए। महिला रेसलर्स ने ङ्ख्स्नढ्ढ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण पर यौन शोषण के आरोप लगाए हैं और वे उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर 23 अप्रैल से धरना दे रहे हैं। दिल्ली पुलिस के पीआरओ सुमन नलवा ने कहा कि कल के प्रदर्शन को लेकर पहलवानों से बातचीत की गई, लेकिन उन्होंने कुछ भी सुनने से मना कर दिया। उसके बाद इन्हें हिरासत में लेना पड़ा। हमने शांतिपूर्ण तरीके से इन्हें हिरासत में लिया है। अगर ये कहीं और प्रदर्शन करने की इजाजत मांगेंगे तो इजाजत दी जा सकती है लेकिन इन्हें जंतर-मंतर पर बैठने नहीं दिया जाएगा। हमने उन्हें 38 दिन से हर सुविधा दी लेकिन कल उन्होंने नियमों का उल्लंघन किया।

बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने गुजरात के लोगों को कहा 'पागल', वीडियो वायरल

अहमदाबाद। बागेश्वर धाम के महंत धीरेंद्र शास्त्री वैसे तो अपने बयानों और हंसी-ठिठोली वाली बातों से हमेशा चर्चा में बने रहते हैं, लेकिन अब सूरत में गुजरात की जनता पर की गई टिप्पणी ने बागेश्वर सरकार को फिर से सुर्खियों में ला दिया है। हालांकि, इस बार बाबा ने यह बात प्यार में कही है। धीरेंद्र शास्त्री की इस टिप्पणी का एक वीडियो अब सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। न्यूज एजेंसी एएनआई द्वारा ट्विटर पर शेयर किया गया यह वीडियो 27 मार्च का है और बागेश्वर धाम का यूट्यूब चैनल ले लिया गया बताया जा रहा है। वीडियो में गुजरात के सूरत में शनिवार को अपनी कथा के दौरान बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, गुजरात के पागलो, एक बात तुम अपनी जिंदगी में याद रखना। हम ना तो तुम्हारे पास धन लेने आए हैं, ना हम तुम्हारे पास सम्मान लेने आए हैं। हम तो तुम्हें अपनी जेब से हनुमान देने आए हैं। मेरे बागेश्वर धाम के पागलो एक एक बात तुम अपनी जिंदगी में याद रखना, जिस दिन गुजरात के लोग इसी तरह संगठित हो जाएंगे, भारत क्या हम तो पाकिस्तान भी हिंदू राष्ट्र बनवाएंगे।

धोनी पर लागू नहीं होगा इंपैक्ट प्लेयर का नियम, वीरेंद्र सहवाग ने कह दी बड़ी बात

कथा के दौरान उन्होंने कहा कि कौन कहता है सनातन क्रांति नहीं होती। जब से बागेश्वर सरकार ने सिर्फ राम नाम का सिमरन करवया है तब से पूरी दुनिया दीवानी हुई पड़ी है।

बता दें कि, देश और दुनिया में में पंडित धीरेंद्र शास्त्री के करोड़ों भक्त हैं। वह मध्य प्रदेश के छतरपुर जिला स्थित बागेश्वर धाम के प्रमुख हैं। जहां भी उनकी कथा होती है उनके दिव्य दरबारों में प्रवचनों को सुनने के लिए लाखों लोग पंडालों में उमड़ पड़ते हैं। गुजरात के चार शहरों - सूरत, अहमदाबाद, वडोदरा और राजकोट में 26 मई से सात जून के बीच लगेंगे।

अमित शाह के दौरे से पहले मणिपुर में फिर हिंसा, 5 की मौत; 40 से ज्यादा उग्रवादी भी ढेर

इम्फाल। मणिपुर में जारी हिंसा का समाधान निकालने के लिए होम मिनिस्टर अमित शाह आज राज्य के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के अलावा अन्य मंत्रियों एवं अहम संगठनों के लोगों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान वह हिंसा से निपटने और सुलह का रास्ता क्या हो सकता है। इस पर विचार करेंगे। उनका दौरा मणिपुर हिंसा से निपटने के लिहाज से अहम माना जा रहा है। लेकिन इस बीच राज्य में एक बार फिर से हिंसा का दौर तेज हो गया है। रविवार को ही एक बार फिर से भड़की हिंसा में एक पुलिसकर्मी समेत 5 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा 12 अन्य लोग जख्मी हुए हैं। यही नहीं सेना और पुलिस की कार्रवाई में बीते 4 दिनों में 40 उग्रवादी भी ढेर किए गए हैं। सीएम बीरेन सिंह ने रविवार को ही बताया था कि मणिपुर में 40 सशस्त्र कूकी उग्रवादियों को मार गिराया गया है। मणिपुर में 3 मई के बाद से ही हिंसा का दौर जारी है। राज्य की राजधानी इम्फाल के आसपास बसे मैतेई समुदाय और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले कूकी समुदायों के बीच यह हिंसा चल रही है। इसकी वजह मणिपुर हाई कोर्ट का एक फैसला बना है, जिसमें उसने सरकार को सलाह दी थी कि उसे मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा देने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजना चाहिए। इस प्रस्ताव को लेकर कूकी समुदाय भड़क गए थे और उन्होंने इसके खिलाफ रैली निकाली थी। उस रैली के दौरान हिंसा भड़क गई थी और तब से हालात को संभाला नहीं जा सका है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मणिपुर की हिंसा में अब तक 79 लोग मारे जा चुके हैं। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि कूकी उग्रवादी हथियारों से लैस हैं और वे हिंसा को बढ़ा रहे हैं। हालात इतने खराब हैं कि राज्य के विधायकों और मंत्रियों तक को उपद्रवी नहीं बख्श रहे हैं और उनके घरों में हमले किए जा रहे हैं।

कर्फ्यू में फिर से हो गई सख्ती, कारोबार ठप

राज्य में 3 मई के बाद से ही कई इलाकों में कर्फ्यू लगा है। बीते दिनों कुछ राहत दी भी गई थी, लेकिन फिर से हिंसा का दौर शुरू होने के बाद एक बार फिर सख्ती बढ़ाई गई। जैसे इम्फाल वेस्ट और इम्फाल ईस्ट जिलों में कर्फ्यू में ढील देते हुए सुबह 5 बजे से शाम 4 बजे तक लोगों को अनुमति दी गई थी। लेकिन अब इस टाइम को घटा दिया गया है और लोगों को सुबह 11ः30 बजे तक ही घर से बाहर निकलने की परमिशन है। इसके अलावा बिष्णुपुर में भी कर्फ्यू में ढील सुबह 5 बजे से 2 बजे की बजाय 12 बजे तक ही रहेगी।

जर्मनी में मंदी का दौर शुरु, भारत के इस सेक्टर पर पड़ेगा इसका सीधा असर

मुंबई । यूरोप का विकास इंजन कहलाने वाले जर्मनी ने मंदी के दौर में प्रवेश किया है। जर्मनी को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भी पहचाना जाता था। जर्मनी के 2023 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 0.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले साल की चौथी तिमाही में 0.5 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई थी। जर्मनी में सकल घरेलू उत्पाद में दो तिमाहियों से गिरावट हो रही है। इसकारण से अर्थव्यवस्था में अस्थिरता आने से जर्मनी में मंदी का दौर शुरू हो गया है। जर्मनी की इकोनॉमी में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। देश में पिछले दो तिमाहियों से घरेलू उत्पाद में गिरावट दर्ज की गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2023 के पहली तिमाही महीने में 1.2 फीसदी का गिरावट हुई है। इसी के साथ सरकारी खर्च में भी 4.9 फीसदी की गिरावट हुई है। बाकी अर्थव्यवस्था में विकसित देशों की तुलना में जर्मनी की अर्थव्यवस्था पिछड़ती नजर आ रही है। देश अपने औद्योगिक क्षेत्र की ऊर्जा जरूरतों को स्थायी रूप से पूरा करने में भी विफल रहा है। इसके साथ देश में रुसी ईंधन की भी आपूर्ति पूरी नहीं हो पा रही है। देश में राजनीतिक और व्यापारिक वर्ग को भी नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि स्कोल्ज़ प्रशासन ने 2030 तक 625 मिलियन सौर पैनल और 19,000 पवन टर्बाइन स्थापित करने की योजना तैयार की है। लेकिन यह योजना भी बढ़ती मांग का सामना करने में विफल है। देश में लगभग हर चीज (हीटिंग से लेकर परिवहन तक) का विद्युतीकरण किया जा रहा है। जर्मनी अर्थव्यवस्था में मंदी निश्चित रूप से भारतीय निर्यात को प्रभावित कर रही है। भारत से सबसे ज्यादा परिधान, जूते और चमड़े के सामान का निर्यात होता है। इसके बाद इन क्षेत्रों पर असर पड़ेगा। कई निर्यातक इस मंदी के नतीजों के बारे में चिंता व्यक्त कर रहे हैं। आर्थिक मंदी का प्रभाव जर्मनी के साथ-साथ अन्य यूरोपीय देशों पर भी पड़ रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि जर्मनी में आर्थिक मंदी का असर उत्पादों, रसायनों और हल्के इंजीनियरिंग वस्तुओं पर देखने को मिलेगा। जर्मनी में आर्थिक मंदी का वजह से भारतीय निर्यात में भी गिरावट आ सकती है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में, भारत का निर्यात 10.2 बिलियन अमरीकी डॉलर था। मंदी की वजह से इस आंकड़े में गिरावट आने की उम्मीद है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने यासिन मलिक को भेजा नोटिस, एनआईए ने की मृत्युदण्ड की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने जम्मू एंड कश्मीर लिब्रेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) प्रमुख यासिन मलिक को एक नोटिस भेजा है। हाई कोर्ट ने यह नोटिस एनआईए की एक याचिका के संबंध में भेजा है जिसमें आतंक के लिए धन मुहैया कराने के एक मामले में उसे मृत्युदंड देने की मांग की गई है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के लिए अपील करते हुए, भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि यह दुर्लभतम मामला था। विस्तृत आदेश की प्रति की प्रतीक्षा है। उच्च न्यायालय ने यासिन की मौत की सजा पर विधि आयोग की सिफारिशें भी मांगी हैं। गौरतलब है कि एक विशेष एनआईए अदालत ने मई 2022 में मलिक को आतंक के लिए धन मुहैया कराने के 2017 के एक मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। विशेष न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत सजा सुनाई थी जो जीवनपर्यंत चलेगी। मलिक को पिछले साल पटियाला हाउस कोर्ट में कड़ी सुरक्षा के बीच टेरर फंडिंग मामले में सजा सुनाई गई थी। उसी समय निचली अदालत में सुनवाई के दौरान मलिक ने कहा था, मैं किसी भी चीज की भीख नहीं मांगूंगा। मामला इस अदालत के समक्ष है और मैं इसका फैसला अदालत पर छोड़ता हूं। उसने अदालत को बताया था, अगर मैं 28 साल में किसी आतंकवादी गतिविधि या हिंसा में शामिल रहा हूं, अगर भारतीय खुफिया तंत्र इसे साबित करता है, तो मैं भी राजनीति से संन्यास ले लूंगा। मैं फांसी स्वीकार कर लूंगा, क्यों ?कि सात प्रधानमंत्रियों के साथ मैंने काम किया है। एनआईए ने सुनवाई के दौरान अदालत को बताया था कि कश्मीरी पंडितों के घाटी से पलायन के लिए आरोपी जिम्मेदार है। जांच एजेंसी ने मलिक के लिए मौत की सजा का भी तर्क दिया था। दूसरी ओर न्यायमित्र ने मामले में न्यूनतम सजा के तौर पर आजीवन कारावास की मांग की थी। मलिक ने पहले इस मामले में अपना गुनाह कबूल कर लिया था।

मथुरा कोर्ट ने 15 दिन में दिया फैसला, कुकर्म के बाद बच्चे की हत्या के दोषी को फांसी

मथुरा । मथुरा कोर्ट ने एक मामले में 15 दिन में अपना फैसला सुनाते हुए आरोपी को फांसी की सजा तय कर दी। जानकारी के अनुसार कुकर्म के बाद बालक की हत्या करने के मामले में मथुरा की पॉक्सो कोर्ट ने 15 दिन में ही आरोपियों पर दोष सिद्ध कर दिया है। कोर्ट ने 8 साल के बच्चे के साथ कुकर्म कर उसकी हत्या के दोषी को फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि दोषी मोहम्मद सैफ को फांसी के फंदे पर तब तक लटकाया जाए, जब तक उसकी मृत्यु न हो जाए। जानकारी के अनुसार सदर थाना क्षेत्र के औरंगाबाद में 8 वर्षीय बालक की 8 अप्रैल को कुकर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। बालक का शव घर के निकट ही बने नाले से बरामद हुआ था। विशेष लोक अभियोजक अलका उपमन्यु ने बताया कि पुलिस ने भी इस मामले में तत्परता दिखाते हुए 28 अप्रैल को आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित कर दिया। पोस्को कोर्ट में इसकी सुनवाई शुरू हुई। अदालत ने आरोप पत्र दाखिल होने के बाद 2 मई को आरोपियों पर चार्ज फ्रेम किया। 8 मई को अदालत में पहली गवाही कराई गई और 18 मई तक सभी 14 गवाहों की गवाही पूरी हो गई।

मौत से पहले अकांक्षा दुबे के साथ बनाए थे शरीरिक संबन्ध, जांच में खुलासा

लखनऊ। भोजपुरी एक्ट्रेस अकांक्षा दुबे की मौत मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। अकांक्षा की बिसरा, कपड़े, वेजाइनल एंड स्वेब पैथलीजिकल और फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे सैंपलों की रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। कपड़ों की जांच रिपोर्ट में बड़ी बात सामने आई है। अकांक्षा के कपड़ों में स्पर्म मिला है। ऐसे में माना जा सकता है कि मौत से पहले अकांक्षा दुबे के साथ शारीरिक संबंध बनाए गए थे। जांच के बाद अब पुलिस समर सहित अन्य आरोपियों के डीएनए की जांच करवाएगी। जानकारी के अनुसार, भदोही जिले के चौरी थाना क्षेत्र के वरदहां की रहने वाली अकांक्षा दुबे सारनाथ में एक होटल के कमरे में 26 मार्च 2023 को मृत मिली थीं। तीन डॉक्टरों के पैनल ने अकांक्षा के शव का पोस्टमार्टम किया था। बाद में आकांक्षा का बिसरा, कपड़े, वेजाइनल एंड एनल स्वाब पैथोलॉजिकल और फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया था। अब कपड़ों की जांच रिपोर्ट आ गई है। जानकारी के अनुसार समर और संजय पर आकांक्षा को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला सारनाथ थाने में दर्ज किया गया था। दोनों फिलहाल जेल में हैं। जब घटना हुई थी, उससे पहले अकांक्षा अरुण की निजी पार्टी से होकर लौटी थी। इसलिए सभी चारों लोगों की डीएनए प्रोफाइलिंग का निर्णय लिया गया है। इसकी रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। अकांक्षा की मौत के बाद पुलिस को कमरे से खुली शराब की बोतलें भी मिली थीं। अकांक्षा दुबे की मां मधु दुबे ने सिंगर समर सिंह और उनके भाई पर अपनी बेटी की हत?या करने का आरोप लगाया था। इसके चार दिन बाद ही आकांक्षा का शव फंदे से लटकता मिला।

पर्यटकों के लिए आयोध्या में हुई पैराग्लाइडिंग की शुरुआत

अयोध्या । अयोध्या में इन दिनों पैराग्लइडिंग की शुरुआत होने से पर्यटक बेहद उत्साहित हैं। धीरे-धीरे भगवान राम की नगरी अयोध्या की भव्यता लौट रही है। करोड़ों रुपये की परियोजनाएं राम नगरी में परवान चढ़ रही है। धार्मिकता के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से भी अयोध्या विश्व के मानचित्र पर स्थापित हो रही है। अयोध्या वासियों को और यहां आने वाले पर्यटक को योगी सरकार ने पैराग्लइडिंग की एक और बड़ी सौगात दी है। अयोध्या आने वाले पर्यटक अब पावर पैराग्लाइडिंग के माध्यम से आसमान से अयोध्या के मठ मंदिरों का दर्शन करेंगे। अयोध्या के नेशनल हाईवे के किनारे बालू घाट पर पावर पैराग्लाइडिंग की शुरुआत की गई है। जानकारी के अनुसार विकास प्राधिकरण और पवनसुत एडवेंचर के मध्य पावर पैराग्लाइडिंग की शुरुआत बीते दिनों की गई है। जहां लोग पायलट के साथ बैठकर अयोध्या का दीदार आसमान से कर सकते हैं। इसके लिए सुबह 6 से 10 तक और शाम 4 से 6 तक बालू घाट पर पैराग्लाइडिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। इतना ही नहीं सुबह और शाम की शिफ्ट में अलग-अलग रेट भी तय किए गए है। आपको शाम के समय 1500 सो रुपये का टिकट और सुबह के समय 1300 का टिकट देना होगा।

मध्यप्रदेश में इस बार 150 सीटें जीतेंगी कांग्रेस : राहुल गांधी

-दिल्ली में हुई विधानसभा चुनाव को लेकर बैठक

नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर दिल्ली में कांग्रेस की बैठक चल रही थी। बैठक के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि इस बार 150 सीटें उनकी पार्टी जीतेगी। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व सीएम कमलनाथ भी मौजूद थे। एमपी में इस साल के आखिर में चुनाव है। इसी के मद्देनजर ये बैठक बलाई गई थी। स्टेट यूनिट से जुड़े कई बड़े नेता इस बैठक में शामिल हुए।

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने तैयारी शुरू कर दी है। दिल्ली में सोमवार को अहम बैठक हुई। प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के साथ 10 बड़े नेता दिल्ली की बैठक में मौजूद थे। मीटिंग के बाद राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में डेढ़ सौ सीटों पर जीत दर्ज करेगी।

प्रदेश में हाल के दिनों में प्रदेश बीजेपी के कई बड़े नेता कांग्रेस में शामिल हुए हैं। एमपी में इस साल नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। वैसे, कांग्रेस की ये बैठक 26 मई को होनी थी। कर्नाटक कैबिनेट विस्तार पर चर्चा के चलते बैठक को रीशेड्यूल किया गया था। इसी मीटिंग के बाद राहुल गांधी ने विधानसभा सीटों को लेकर बड़ा दावा किया। माना जा रहा है कि स्टेट यूनिट से मिले फीडबैक के बाद उन्होंने ये बयान दिया। साल 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने एमपी में जीत हासिल की थी। राज्य का सीएम कमलनाथ को बनाया गया था। लेकिन केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के विद्रोह करने पर कमलनाथ सरकार गिर गई थी।

2000 हजार को नोट जारी करने और फिर वापस लेने से स्थिरता पर संदेह पैदा हुआ : चिदंबरम

मुंबई । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने कहा कि 2,000 रुपये का नोट जारी करने और बाद में इस वापस लेने से भारतीय मुद्रा की अखंडता और स्थिरता पर संदेह पैदा हुआ है। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि प्रमुख आर्थिक संकेतक नीचे की ओर इशारा कर रहे हैं और इस बात का भरोसा कम है कि अर्थव्यवस्था उच्च वृद्धि के रास्ते पर पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि मणिपुर की स्थिति खतरनाक है और इस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लगातार चुप्पी से सवाल उठते हैं। मणिपुर में जातीय संघर्षों में 75 से अधिक लोगों की जान चली गई है। चिदंबरम ने कहा कि इससे बुरी बात यह है कि सरकार अपनी गलतियों को सुधारने की कोशिश भी नहीं करती है। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में 2000 रुपये के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी और लोगों से नोट को 30 सितंबर तक बैंकों में जमा करने या बदलने के लिए कहा। चिदंबरम ने कहा, 2000 रुपये के नोट की शुरुआत और उसे वापस लेने के दर्दनाक तमाशे ने भारतीय मुद्रा की अखंडता और स्थिरता पर संदेह पैदा किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान दशाएं नौ प्रतिशत की औसत वृद्धि से बहुत दूर हैं। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तीन तिमाहियों में वृद्धि दर क्रमशः 13.2 प्रतिशत, 6.3 प्रतिशत और 4.4 प्रतिशत रही है, जो गिरावट की प्रवृत्ति का दर्शाता है।

मोदी के 9 साल के कार्यकाल को दुनियाभर में मिला सम्मान : सीएम योगी

-उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम मोदी की गिनाई उपलब्धियां

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नौ साल के कार्यकाल में दुनियाभर में भारत का मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जहां एक तरफ दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है, वहीं देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा सुदृढ़ हुई है। आज भारत को कोई आंख दिखाने का साहस नहीं कर सकता। गरीबों का कल्याण और इन्फ्रास्ट्रक्र र डेवलपमेंट जैसे चार स्तंभों को मोदी सरकार ने बीते नौ साल में मजबूत आधार प्रदान किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजधानी में मोदी सरकार के 9 साल के कार्यकाल के पूरे होने पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कही। उन्होंने कहा कि पिछले 9 साल में बदली हुई परिस्थितियों को हम सब ने ना केवल महसूस किया है बल्कि हमने इस दौरान नये भारत का दर्शन भी किया है। आज का भारत चार महत्वपूर्ण स्तंभों पर खड़ा है।

मुख्यमंत्री ने पहले स्तंभ की चर्चा करते हुए कहा कि आज वैश्विक स्तर पर भारत का मान बढ़ा है। भारत को दुनियाभर मे सम्मान मिल रहा है। हाल ही में पीएम ने तीन देशों की यात्रा की है। पापुआ न्यू गिनी में पीएम मोदी का वहां के प्रधानमंत्री ने पैर छूकर अभिनंदन किया। प्रोटोकॉल तोड़ के देर सायंकाल स्वयं आगवानी की। यह पहली बार हुआ है जब किसी संप्रभु राष्ट्र ने अपने समकक्ष का अभिनंदन इस प्रकार किया हो। सीएम योगी ने कहा कि पापुआ न्यू गिनी और फिजी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के पीएम के वक्तव्य को भी हम सबने सुना, जिसमें उन्होंने पीएम मोदी को बॉस कहके संबोधित किया था। आज दुनिया में भारत की विरासत को सम्मान मिला है। हर साल 21 जून को पूरी दुनिया योग से जुड़कर भारत की विरासत का सम्मान कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने दूसरे स्तंभ की चर्चा करते हुए कहा कि आज भारत की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा की स्थिति सुदृढ़ हुई है। कोई भी भारत की ओर टेढ़ी नजर से देखने का प्रयास नहीं कर सकता है। अटल जी ने कहा था कि हम सब कुछ कर सकते हैं, मगर पड़ोसी नहीं बदल सकते। भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के प्रति सकारात्मक भाव रखता रहा है। मगर कुछ लोग अपनी प्रवृत्ति से मुक्त नहीं हो पाते। पहली बार भारत ने जैसे को तैसे का जवाब दिया। सीमाएं सुरक्षित और सुदृढ़ हुई हैं। आंतरिक सुरक्षा की स्थिति मजबूत हुई है। चाहे जम्मू कश्मीर हो या पूर्वोत्तर, नक्सल उग्रवाद, माओवाद, अलगाववाद और आतंकवाद पर हमने निर्णायक काबू पा लिया है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार गरीब कल्याण को समर्पित है। बिना भेदभाव के सबका साथ, सबका विकास की भावना के साथ योजनाओं को आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है। जनधन से शुरू हुई योजना देखते-देखते कितना विस्तार ले चुकी है। देश में 45 करोड़ से अधिक गरीबों के अकाउंट खोले गये। इससे जो परिवर्तन देखने को मिला वो अकल्पनीय है।

नवजोत सिंह सिद्धू का बयान, गठबंधन में बाधक हैं वैचारिक मतभेद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने वैचारिक मतभेदों को गठबंधन में बाधक बताया है। दिल्ली के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश पर आम आदमी पार्टी के समर्थन को लेकर पंजाब के कांग्रेस नेताओं के विरोध के बीच प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने सोमवार को कहा कि जहां वैचारिक मतभेद हैं वहां गठबंधन नहीं हो सकता। अध्यादेश पर आप को समर्थन और लोकसभा में आप के साथ गठबंधन जैसे मुद्दों पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात के लिए आज पंजाब कांग्रेस के नेता यहां आए हुए थे। बैठक में कांग्रेस के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी, अमरिंदर राजा वारिंग, सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रताप सिंह बाजवा, हरीश चौधरी, सिद्धू और कई अन्य लोग शामिल हुए। बैठक के बाद सिद्धू से जब राज्य में 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए आप के साथ गठबंधन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने एक रहस्यमय जवाब में कहा, अगर वैचारिक मतभेद हैं तो गठबंधन नहीं बनाया जा सकता है।

बैठक में सिद्धू ने कहा ?कि मैं इसके बारे में स्पष्टहूं क्योंकि मेरी लड़ाई सच्चाई के लिए है और मैं इसका पालन कर रहा हूं और मैं नैतिक मूल्यों से समझौता नहीं करता हूं। आज नैतिक मूल्य सबसे निचले स्तर पर हैं क्योंकि लोकतांत्रिक मूल्यों को खत्म कर दिया गया है। इस बीच, पार्टी के कई अन्य नेताओं ने कहा कि इस मुद्दे पर उन्हें जो कुछ भी कहना है, उन्होंने पार्टी नेतृत्व को बता दिया है और इसका खुलासा सार्वजनिक रूप से नहीं किया जा सकता है।

वरुण गांधी का बदला मिजाज, मां मेनका के साथ पोस्ट की नई संसद की सेल्फी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी ही सरकार के विरोध में बोलने वाले भाजपा सांसद वरुण गांधी ने नई संसद के उद्घाटन को खुशी खुशी साझा ?किया है। रविवार को नई संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर उन्होंने सेल्फी ली और से पोस्ट ?किया। यह बात उनके ट्वीट से भी साफ झलकती है। इस ट्वीट में वरुण ने अपनी मां मेनका के साथ सेल्फी पोस्ट की है। सेल्फी में दोनों ही मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। गौरतलब है पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी हालिया वक्त में अपनी ही सरकार के खिलाफ खासे आक्रामक रहे हैं। उन्होंने विभिन्न मौकों पर अपनी सरकार के खिलाफ जमकर ट्वीट किए हैं। इस दौरान वरुण गांधी ने अपनी ताजा ट्वीट में लिखा है, नई संसद भवन के उद्घाटन समारोह के ऐतिहासिक अवसर पर मैंने वर्तमान लोकसभा की सबसे सीनियर मेंबर से सेल्फी के लिए अनुरोध किया। ट्वीट के साथ उन्होंने दो सेल्फी पोस्ट की हैं। एक सेल्फी में मनोज तिवारी व एक अन्य महिला सांसद हैं, जबकि दूसरी सेल्फी में पीछे हुसेन की एक पेंटिंग है।

बता दें ?कि वरुण गांधी का यह ट्वीट उनकी तमाम पिछली ट्वीट्स से बिल्कुल अलग है। पिछली ट्वीट्स में वरुण भाजपा सरकार की नीतियों पर जमकर कटाक्ष करते रहे हैं। गौरतलब है कि तमाम विपक्षी दलों ने नई संसद भवन के उद्घाटन कार्यक्रम का बहिष्कार किया था। इसके बावजूद वरुण गांधी पार्टी लाइन पर चलते हुए कार्यक्रम में न सिर्फ शरीक हुए बल्कि काफी एंज्वॉय भी करते नजर आए। इस बार उन्होंने मोदी सरकार के विभिन्न फैसलों पर खूब सवाल उठाए। इसमें किसान आंदोलन के वक्त किए गए उनके सरकार विरोधी ट्वीट्स भी शामिल हैं।

भाजपा के इशारे पर विपक्षी एकता में दरार पैदा करने का प्रयास करती हैं टीएमसी: अधीर रंजन

-विपक्षी एकता में टीएमसी को शामिल करना सही नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। देश के सभी प्रमुख विपक्षी दलों के नेता 12 जून को पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बुलाई गई एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने वाले हैं। लेकिन पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और वाम मोर्चा ने बैठक में तृणमूल कांग्रेस को आमंत्रित करने के औचित्य पर सवाल उठाया है। पश्चिम बंगाल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने दावा किया कि 12 जून की बैठक का जो भी परिणाम हो, कांग्रेस पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का विरोध जारी रखेगी। उन्होंने कहा, बंगाल में हमारा आंदोलन भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ जारी रहेगा। टीएमसी वास्तव में विपक्षी गठबंधन में दरार पैदा करने के लिए भाजपा का मोहरा है। वहीं माकपा की केंद्रीय समिति के सदस्य सुजान चक्रवर्ती ने कहा कि हालांकि भाजपा के खिलाफ सभी विपक्षी ताकतों को एकजुट करने की यह एक अच्छी पहल है, लेकिन सवाल यह है कि क्या टीएमसी पर विश्वास किया जा सकता है। उन्होंने कहा, टीएमसी ने अप्रत्यक्ष रूप से भारत के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनावों में भाजपा की मदद की। संकट के समय में, टीएमसी ने हमेशा प्रधानमंत्री मोदी को गुप्त रूप से समर्थन दिया है।

माकपा के राज्यसभा सदस्य और कलकत्ता हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता बिकास रंजन भट्टाचार्य ने कहा कि एक महागठबंधन की जरूरत है और केवल उन राजनीतिक ताकतों को इसमें शामिल किया जाना चाहिए जो भाजपा का विरोध करे। उन्होंने कहा, बीजेपी हमेशा विपक्षी मोर्चे को भीतर से खत्म करने की कोशिश करेगी। इसके बाद में टीएमसी को शामिल करना एक अच्छा कदम नहीं होगा। बल्कि, बंगाल में वाम मोर्चा और कांग्रेस के बीच आपसी समझ के मॉडल का राष्ट्रीय स्तर पर पालन किया जाना चाहिए।

हालांकि पार्टी के राज्यसभा सदस्य डॉ शांतनु सेन जैसे तृणमूल कांग्रेस के नेताओं का मानना है कि बंगाल में माकपा और कांग्रेस के तर्क का कोई मतलब नहीं है क्योंकि उनकी कोई प्रासंगिकता नहीं है। उन्होंने कहा, जब पूरा देश मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को विपक्ष के नेता के रूप में मानता है, तब बंगाल में माकपा और कांग्रेस के नेता क्या कहते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का तृणमूल कांग्रेस का विरोध महज छलावा है। उन्होंने कहा, एक ओर अधीर रंजन बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का विरोध करने की बात कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी सुप्रीम कोर्ट में तृणमूल कांग्रेस और बंगाल सरकार के मुख्य वकील हैं।

पीएम मोदी ने तुर्की के राष्ट्रपति का चुनाव जीतने पर एर्दोगन को दी बधाई

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रेसेप तईप एर्दोगन को राष्ट्रपति का चुनाव जीतने पर बधाई दी। मोदी ने सोमवार को एक ट्वीट में कहा कि तुर्की के राष्ट्रपति के रूप में फिर से चुने जाने पर एर्दोगन को बधाई! मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में वैश्विक मुद्दों पर हमारे द्विपक्षीय संबंध और सहयोग बढ़ते रहेंगे। रविवार को हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में एर्दोगन ने विपक्षी नेता केमल किलिचडारोग्लू को हराकर ऐतिहासिक तीसरा कार्यकाल हासिल किया। 99.43 प्रतिशत मतों की गिनती के साथ तुर्की की सुप्रीम इलेक्शन काउंसिल (वाईएसके) द्वारा घोषित प्रारंभिक आधिकारिक परिणामों ने एर्दोगन को 52.14 प्रतिशत मतपत्रों के साथ जीतते हुए दिखाया गया, जबकि किलिचडारोग्लू को 47.86 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए। 14 मई को राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर में एर्दोगन ने 49.52 प्रतिशत वोट अर्जित किए, जबकि किलिचडारोग्लू को 44.88 प्रतिशत वोट मिले थे। विजेता के लिए आवश्यक मतों में से किसी ने भी पहले दौर में 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल नहीं किए थे, इसलिए राष्ट्रपति पद के लिए दोबारा चुनाव हुआ।

दिल्ली के आसमान पर छाए बादल, आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश के आसार

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश की राजधानी नई दिल्ली में कभी भी झमाझम बारिश हो सकती है। यहां का मौसम आंख-मिचौली खेल रहा है। बता दें कि आज सुबह दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में धूप खिली थी, लेकिन अब एक बार फिर आंशिक तौर पर बादल छाए हुए हैं। वहीं, इस बीच तापमान की बात करें तो नई दिल्ली में न्यूनतम तापमान 22 डिग्री और अधिकतम तापमान 35 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, नई दिल्ली में आज (सोमवार) को भी गरज के साथ बारिश देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, दिल्लीवासियों को अगले पांच से छह दिन तक हीटवेव से राहत रहेगी। वहीं, दिल्ली में हल्की से मध्यम बारिश दिल्ली के तापमान को कम रखेगी। दिल्ली के प्रमुख मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला ने सोमवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री कम 21.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। वहीं, अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

मौसम विभाग की जानकारी के मुताबिक, एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली के कुछ इलाकों में आज यानी सोमवार और मंगलवार को तेज हवाएं चलने के साथ बारिश और ओलावृष्टि की गतिविधियां देखने को मिल सकती है। वहीं, 04 जून तक नई दिल्ली में अधिकतम तापमान 40 डिग्री के नीचे दर्ज किया जाएगा। बता दें, सफदरजंग वेधशाला ने इस सीजन एक भी हीटवेव वाला दिन दर्ज नहीं किया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कल यानी 30 मई को न्यूनतम तापमान 22 डिग्री और अधिकतम तापमान 34 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। वहीं, कल भी नई दिल्ली में गरज के साथ बारिश का पूर्वानुमान है।

राजधानी में 31 मई को न्यूनतम तापमान 23 डिग्री और अधिकतम तापमान 35 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। नई दिल्ली में आंशिकतौर पर बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग की मानें तो 01 और 02 जून को भी नई दिल्ली में आंशिकतौर पर बादल छाए रहेंगे। वहीं, अधिकतम तापमान 35 से 36 डिग्री दर्ज किया जाएगा। 03 और 04 जून के दौरान नई दिल्ली का अधिकतम तापमान 37 से 38 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। गाजियाबाद में अधिकतम तापमान 36 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। वहीं, गाजियाबाद में आज तेज हवाएं चलने के साथ गरज और बारिश की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं।

सोशल मीडिया पर धर्म की निंदा की बढ़ती घटनाओं रोकने विधेयक लाएगी श्रीलंका सरकार

कोलंबो।श्रीलंका सोशल मीडिया पर धर्म की निंदा की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए एक नए विधेयक का मसौदा तैयार कर रहा है। देश के धार्मिक मामलों के मंत्री ने इसकी जानकारी दी। यह कदम स्टैंड अप कॉमेडियन नताशा एदिरीसूर्या द्वारा धर्म को लेकर कथित रूप से की गई अपमानजनक टिप्पणी के बाद सामने आया है, हालांकि, एदिरीसूर्या ने इसके लिए माफी भी मांगी लेकिन इसके खिलाफ एक शिकायत दर्ज की गई और उन्हें विमान से देश से बाहर जाने की कोशिश के दौरान रविवार को हिरासत में ले लिया गया। श्रीलंका के बुद्धशासन, धार्मिक और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री विदुर विक्रमनायके ने कहा कि देश में धार्मिक निंदा की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए जल्द ही एक कानून पारित होगा। उन्होंने कहा ''इससे सोशल मीडिया पर धर्म का अपमान करने की घटनाओं पर रोक लगेगी।'' एदिरीसूर्या का मामला कोई पहली घटना नहीं है बल्कि इस तरह की और भी घटनाएं हो चुकी हैं। इस महीने की शुरुआत में पादरी जेरोम फर्नांडो पर भगवान बुद्ध पर अपमानजनक टिप्पणियां करने का आरोप लगा था, जो सोशल मीडिया पर आई थीं। राष्ट्रपति रानिल विक्रमिसंघे ने 15 मई को मामले में आपराधिक जांच विभाग को जांच शुरू करने का आदेश दिया था और कहा था कि इस तरह की घटनाएं देश में धार्मिक विवाद पैदा कर सकती हैं। एदिरीसूर्या की तरह फर्नांडो ने भी माफी मांग ली थी। जनवरी में लोकप्रिय यूट्यूबर सेपाल अमरसिंघे को भगवान बुद्ध के दांत के पवित्र अवशेष पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए हिरासत में लिया गया। यह टिप्पणी अमरसिंघे ने अपने यूट्यूब चैनल पर की थी।

पहली बार इजरायली राष्ट्रपति इसाक हजरेग करेंगे अजरबैजान की यात्रा

यरूशलम। इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हजरेग अजरबैजान की राजकीय यात्रा करेंगे, जो मुस्लिम बहुल देश में किसी इजरायली राष्ट्रपति की पहली यात्रा होगी। मीडिया ने रविवार को हजरेग के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान का हवाला देते हुए बताया कि हजरेग मंगलवार को राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के निमंत्रण पर दो दिवसीय यात्रा के लिए प्रस्थान करेंगे और दोनों नेता अजरबैजान की राजधानी बाकू में मिलेंगे। स्वास्थ्य और आंतरिक मंत्री मोशे अर्बेल भी हजरेग के साथ मौजूद रहेंगे। साथ ही डॉक्टर ट्रेनिंग, इमरजेंसी मामलों की तैयारी और डिजिटल हेल्थ सहित स्वास्थ्य और चिकित्सा सहयोग के विस्तार पर चर्चा करने के लिए अपने अजरबैजान के समकक्ष तैमूर मुसायेव से मिलेंगे। इजराइल और अजरबैजान ने 1992 में राजनयिक संबंध स्थापित किए। इससे पहले कि इजराइल ने अगले वर्ष बाकू में अपना दूतावास खोला। 2020 में इजरायल और अन्य मुस्लिम देशों के बीच सामान्यीकरण के प्रयासों के बाद इस साल मार्च में अजरबैजान ने तेल अवीव में अपना दूतावास खोला।

यासिन मलिक को फांसी का डर, पत्नी ने पाकिस्तान से लगाई मदद की गुहार

लाहौर ।अलगाववादी नेता और पूर्व आतंकी यासीन मलिक की पत्नी को डर है कि उसके पति को भारत में फांसी दी जा सकती है। उसने पाकिस्तानी सरकार से अंतर्राष्ट्रीय मंच पर आवाज उठाने की गुहार लगाई है। पत्नी मुशाल मलिक ने दावा किया है कि टेरर फंडिंग केस में उम्रकैद की सजा काट रहे उसके पति को फांसी दी जा सकती है। उसने पाकिस्तान से यासीन मलिक की रिहाई के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर आवाज उठाने की मांग की है। यासीन मलिक पाकिस्तान का पुराना मोहरा रहा है। वह जम्मू कश्मीर में पहले आतंकवादी घटनाओं में शामिल था और बाद में सरेंडर कर अलगाववादी गुट हुर्रियत कांफ्रेंस में शामिल हो गया। यासीन मलिक की पत्नी मुशाल मलिक ने पाकिस्तान से कहा है कि भारत में उसके पति की न्यायिक हत्या हो सकती है। मुशाल पाकिस्तान में पीस एंड कल्चर ऑर्गनाइजेशन (पीसीओ) की अध्यक्ष है। उसने लाहौर के जिन्ना हाउस में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख यासीन मलिक के लिए फिर से मौत की सजा की मांग की है। गौरतलब है कि शुक्रवार को एनआईए ने यासीन मलिक के लिए मृत्युदंड की मांग करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका को 29 मई सोमवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। पिछले साल दिल्ली की विशेष अदालत ने यासीन मलिक के लिए एनआईए की मौत की सजा की याचिका को खारिज कर दिया था। हालांकि, कोर्ट ने यासीन को देश के खिलाफ जंग छेड़ने सहित दो मामलों में उम्र कैद की सजा दी, जबकि पांच मामलों में 10-10 साल की सजा हुई थी। उस पर 10 लाख रुपए का जुमार्ना भी लगाया गया था। यासीन मलिक के जेकेएलएफ पर केंद्र सरकार ने 2019 में प्रतिबंध लगा दिया था। वह अभी दिल्ली के तिहाड़ जेल में सजा काट रहा है। यासीन की पत्नी मुशाल ने आशंका जाहिर की है कि उनके पति को कल (सोमवार) मौत की सजा दी जा सकती है। उसने गीदड़भभकी देते हुए कहा कि मैं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताना चाहती हूं कि कोई भी कश्मीरी मौत से नहीं डरता। उसने शेखी बघारते हुए कहा कि यासीन मलिक एक व्यक्ति नहीं है, बल्कि यह एक आंदोलन का नाम है। उसने यहां तक कहा कि पीएम मोदी उसके पति को फांसी देकर चुनाव नहीं जीत पाएंगे। मुशाल मलिक ने दावा किया कि कश्मीर के लोग इस तरह के कृत्य पर पूरी ताकत से प्रतिक्रिया देंगे।

ऑस्ट्रिया सरकार ने हिटलर के घर को बनाया मानवाधिकार ट्रेनिंग सेंटर

वियना। नाजी तानाशाह एडॉल्फ हिटलर की जन्मभूमि को मानवाधिकार ट्रेनिंग सेंटर बनाया जा रहा है। आस्ट्रिया सरकार ने कहा है कि यहां पर पुलिस अधिकारियों के लिए मानवाधिकार प्रशिक्षण केंद्र बनेगा। गौरतलब है कि यह घोषणा ऑस्ट्रिया के गृह मंत्रालय ने पिछले हफ्ते की थी। यह फैसला इस बात पर बहस के वर्षों बाद लिया गया कि इसे नव-नाजियों के लिए तीर्थस्थल बनने से कैसे रोका जाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिटलर का जन्म 20 अप्रैल, 1889 को वियना से 284 किमी पूर्व में उत्तर-पश्चिम ऑस्ट्रिया के ब्रेनाऊ एम इन में एक इमारत में हुआ था। वह तीन साल की उम्र में अपने परिवार के चले जाने तक वहीं रहा। यह इमारत गेरलिंडे पोमेर की थी, जिसका परिवार हिटलर के जन्म से पहले इमारत का मालिक था। साल 2016 में सरकार ने एक लंबे विवाद के बाद अनिवार्य खरीद आदेश के तहत भवन खरीद लिया। बाद में साल 2019 में यह पता चला कि साइट का उपयोग पुलिस स्टेशन के रूप में किया जाएगा। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय एक अंत :विषय विशेषज्ञ आयोग की सिफारिशों के आधार पर किया गया था, जो 'चरमपंथी हलकों के लिए पौराणिक अपील' की संपत्ति से वंचित था। आयोग के सदस्य हरमैन्न फेनियर ने एक बयान में कहा 'यह ऑस्ट्रिया में सबसे बड़े मानवाधिकार संगठन पुलिस के लिए एक कार्यालय होगा और यह इस मौलिक रूप से महत्वपूर्ण विषय में प्रशिक्षण का केंद्र भी होगा।' यह इमारत गेरलिंडे पोमेर की थी, जिनके परिवार के पास दशकों तक इमारत का स्वामित्व था, जब तक कि गृह मंत्रालय ने साल 1972 में उनसे साइट किराए पर लेना शुरू नहीं कर दिया। इससे पहले यह चैरिटी के लिए किराए पर दिया गया था। हालांकि, तीन मंजिला घर साल 2011 से खाली है। साल 2016 से मंत्रालय इसे गिराने पर जोर दे रहा था। लेकिन योजनाओं को राजनेताओं और इतिहासकारों के गुस्से और प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। इसके बाद सरकार ने विशेष कानूनी प्रधिकरण लागू करने के बाद गेरलिंडे पोमेर से इमारत का अधिग्रहण किया। 21.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की अनुमानित लागत वाला निर्माण कार्य साल 2025 में पूरा होने की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान में आए भूकंप ने हिलाकर रख दिया, 120 साल में सबसे तेज झटका

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया व पाकिस्तान में आए भूकंप ने सभी को हिलाकर रख दिया है। आस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में रविवार रात को तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। एक भूकंप विज्ञानी से मिली जानकारी के अनुसार के अनुसार मेलबर्न को हिलाकर रख देने वाला 3.8 तीव्रता का भूकंप 120 से अधिक वर्षों में शहर में आया सबसे बड़ा भूकंप था। मेलबर्न के उत्तर-पश्चिम किनारे पर सनबरी के पास रात 11:41 बजे तीन किमी की अनुमानित गहराई पर भूकंप के झटकों की सूचना मिली। मिली जानकारी के अनुसार 22,000 से अधिक लोगों ने भूकंप की जानकारी देने के लिए एजेंसी से संपर्क किया। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि भूकंप पांच से 10 सेकेंड तक चला और तस्मानिया में होबार्ट तक महसूस किया गया।

फिलीपींस में ब्यूटी पेजेंट 2023 की विजेता मॉडल्स एक साथ नजर आयीं।

पुतिन से मिलने के बाद बेलारूस के राष्ट्रपति की तबीयत बिगड़ी

-मॉस्को में उन्हें जहर दिए जाने की आंशका

मॉस्को । रूस से हैरान करने वाली खबर आ रही है। बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको को तत्काल मास्को के एक अस्पताल में ले जाया गया। लुकाशेंक की हालत अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन से मिलने के बाद गंभीर है। सूचना बेलारूस के विपक्षी नेता वालेरी सेपकालो ने दी। 68 वर्षीय लुकाशेंको रूस के यूक्रेनी आक्रमण के बीच पुतिन के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक सेपकालो ने बताया कि शुरुआती जानकारी में पता चला है कि लुकाशेंको को तबीयत बिगड़ने के तुरंत बाद मॉस्को के सेंट्रल क्लिनिकल हॉस्पिटल ले जाया गया। उसके पहले उनकी पुतिन से ही मीटिंग थी। फिलहाल उन्हें मेडिकल सुपरविजन में रखा गया है और उनकी हालत गंभीर है। लुकाशेंको की स्थिति गैर-परिवहन योग्य माना गया है। वालेरी ने लुकाशेंको को जहर देने की आशंका जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि बेलारूस के राष्ट्रपति को अस्पताल ले जाने और बचाने की कोशिश इसकारण हो रही है ताकि किसी को कोई संदेह ना रहे। क्रेमलिन की ओर से जहर देने की भी आशंका है। पिछले कुछ समय से लुकाशेंको के स्वास्थ्य को लेकर अफवाहें चल रही हैं। इसी महीने की शुरुआत में बेलारूस के राष्ट्रपति रूस पहुंचे थे और विक्ट्री डे परेड में उन्होंने हिस्सा लिया था। हालांकि वह पुतिन के साथ लंच में शामिल नहीं हुए थे और तुरंत ही लौट गए थे। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि लुकाशेंको इस दौरान काफी थके हुए लग रहे थे और उनके दाहिने हाथ में बैंडेज था।

रूस ने अब दे ही डाली मिसाइल अटैक की धमकी

यह सब कुछ कर रहा है अमेरिका को सबक सिखाने के लिए रूस

मास्को (एजेंसी)। एक वर्ष से चल रही यूक्रेन और रूस की लड़ाई अब खतरनाक होती जा रही है। इस महायुद्ध का अंत नहीं हो रहा है और रूस की बौखलाहट कम नहीं हो रही है। उसके लाखों सैनिक और अरबों की संपदा स्वाहा हो चुकी है। रूस यूक्रेन को मदद करने वाले देशों पर भी खासा नाराज है, खासकर अमेरिका पर। अब रूस ने अमेरिका को सबक सिखाने के लिए उसके एक स्टेट पर मिसाइल अटैक की धमकी दी है। चेतावनी दी है कि उसे अलास्का की धरती पर तबाही मचाने में ज्यादा देर नहीं लगेगी।

रूस के राज्य ड्यूमा के डिप्टी एंड्री गुरुल्योव ने मीडिया से बात करते हुए अलास्का पर मिसाइल हमले की धमकी दी है। एंड्री गुरुल्योव ने बयान में कहा कि टेक्सास पर हमला करने की आवश्यकता नहीं है। हमारे पास एक रणनीतिक परमाणु बल है, जो अमेरिका पर दबाव बनाने में सक्षम है। मैं आपको याद दिला दूं, जलडमरूमध्य के उस पार अलास्का है, जहां हम हमला कर सकते हैं। एंड्री गुरुल्योव ने आगे कहा कि हमारे पास ऑपरेशनल इस्कंदर मिसाइलें हैं, बैलिस्टिक, क्रूज मिसाइलें हैं जो अलास्का की जमीन पर तबाही मचाने में ज्यादा देर नहीं लगाएंगे। ये मिसाइलें धरती पर कहर बरपाने में काफी सक्षम हैं।

रूस को अलास्का पर हमला क्यों करना चाहिए, इस जवाब में एंड्री गुरुल्योव ने कहा कि उन्हें डराने के लिए। रूस की तरफ से यह बयान तब आया है, जब मास्को के आक्रमण के बीच रूस ने यूक्रेन को सहायता के लिए अमेरिका की आलोचना की है। रूस के पूर्व राष्ट्रपति और पुतिन की सुरक्षा परिषद के वर्तमान सदस्य दिमित्री मेदवेदेव ने चेतावनी दी कि अगर यूक्रेन को और अधिक हथियारों की आपूर्ति की गई तो तबाही और अधिक खतरनाक हो जाएगी। मेदवेदेव ने कहा कि ये हथियार जितने अधिक विनाशकारी होते हैं, उतनी ही अधिक संभावना यह होती है कि आमतौर पर परमाणु सर्वनाश के लिए जाना जाता है। इससे पहले भी रूसी नेता अलास्का पर हमला करने की बात कह चुके हैं।

कर्ज के बोझ तले दबा अमेरिका नहीं कर पा रहा दूसरों की मदद

- कंगाली में रोकनी पड़ी भारत और पाकिस्तान को मिलने वाली सहायता

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका इस समय कर्ज संकट से जूझ रहा है। इसका असर बाकी देशों पर भी पड़ने लगा है। अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने पाकिस्तान को दी जाने वाली वित्तीय मदद को रोक दिया है। रिपब्लिकन सांसद मारजोरी टेलर ग्रीन ने रविवार को एक ट्वीट में इसकी जानकारी दी है। पाकिस्तान खुद इतिहास के सबसे गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। ऐसे में अमेरिका का संकट उसकी मुश्किलें और बढ़ा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और शीर्ष कांग्रेसी रिपब्लिकन केविन मैकार्थी की ओर से सरकार की 31.4 ट्रिलियन कर्ज सीमा को बढ़ाने के लिए एक अस्थायी सौदे पर पहुंचने के तुरंत बाद ग्रीन का यह ट्वीट आया। अमेरिका की सीडीसी सरकारी स्वास्थ्य एजेंसी है। एजेंसी का मुख्य उद्देश्य अमेरिका और दुनियाभर में बीमारियों के नियंत्रण और रोकथाम के माध्यम से जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा करना है। अपने ट्वीट में ग्रीन ने कहा ?कि जल्द ही ऋण सीमा पर समझौते को अंतिम रूप दिया जाएगा जिसके लिए सीडीसी ग्लोबल हेल्थ फंड से 400 मिलियन

डॉलर वापस ले लिए जाएंगे, जो चीन जैसे देशों को विदेशों में पैसा भेजता है। उन्होंने कई देशों की एक लंबी सूची साझा करते हुए लिखा कि अब इन देशों को टैक्सपेयर्स का पैसा नहीं दिया जाएगा। इनमें अल्बानिया, आर्मेनिया, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, भारत, इंडोनेशिया, जॉर्जिया, नामीबिया, नाइजीरिया, ओमान, पाकिस्तान, फिलीपींस, रवांडा, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण सूडान, तंजानिया, थाईलैंड, युगांडा, यूक्रेन और वियतनाम सहित कई देश शामिल हैं।

कोरोना से एक बार फिर दहशत में आया चीन, नए एक्सबीबी वेरिएंट का खतरा

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में एक बार फिर से कोरोना वायरस का कहर बरपने वाला है। हालांकि चीन ने कोरोना के नए एक्सबीबी वेरिएंट से निपटने के लिए कमर कसनी शुरू कर दी है। लेकिन भारत को भी इससे आगाह किया है। अनुमान जताया जा रहा है कि जून महीने में देश में कोरोना के 6.5 करोड़ केस सामने आ सकते हैं। वहीं चीन के महामारी विशेषज्ञों ने जोर देकर कहा है कि देश को अस्पतालों में एंटी वायरल दवाओं की सप्लाई के लिए तैयार रहना चाहिए। इस बीच खबरों के मुताबिक चीन का आर्थिक विकास प्रभावित न हो इसके लिए शी जिनपिंग सरकार लॉकडाउन से परहेज करेगी। चीन के विशेषज्ञों ने भारत को नए संक्रमण की लहर को लेकर चेतावनी दी है। अनुमान है कि चीन में अगले महीने हर सप्ताह साढ़े 6 करोड़ लोग कोरोना वायरस से संक्रमित होंगे। इससे देश में कोरोना वायरस की एक नई लहर आने का खतरा है। कोरोना का नया एक्सबीबी वेरिएंट देश में बहुत तेजी से बढ़ रहा है। अभी 6 महीने पहले ही चीनी अधिकारियों ने बहुत क्रूर जीरो कोविड नीति को खत्म किया था। जिसकी वजह से देश में लॉकडाउन लगा हुआ था, लोगों की आवाजाही पर बैन था और कई अन्य शहरों में कठोर प्रतिबंध लगे हुए थे।

जानकार बताते हैं कि एक्सबीबी ओमिक्रोन वेरिएंट का ही एक सब वेरिएंट है। हालांकि इसकी अगस्त 2022 में सबसे पहले भारत में ही पहचान की गई थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि एक्सबीबी अब तक आए वेरिएंट में सबसे ज्यादा संक्रामक वेरिएंट में से एक है जो इम्यून सिस्टम को मात दे देता है। इससे पहले 27 मई को चीन के एक शीर्ष महामारी विशेषज्ञ झोंग नानशान ने चेतावनी दी थी कि अप्रैल के आखिरी दिनों में ही नए वेरिएंट की लहर शुरू हो गई थी। बता दें कि चीन हर सप्ताह 4 करोड़ मामलों की ओर बढ़ रहा है। चीन ने पहले दावा किया था कि उसकी वैक्सीन कोरोना के कहर को रोकने में बेहद कारगर है लेकिन अब उसकी पोल बुरी तरह से खुल गई है।

तुर्किये की सत्ता पर 20 सालों से काबिज रेसेप तैयप एर्दोगन फिर चुने गए राष्ट्रपति

- एर्दोगन को 52 व प्रतिद्वंद्वी कमाल केलिकदारोग्लू को 48 प्रतिशत मत मिले।

अंकारा (एजेंसी)। तुर्किये की सत्ता पर 20 सालों से काबिज रेसेप तैयप एर्दोगन एक बार फिर तुर्किये के राष्ट्रपति पद के लिए चुन लिए गए हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार एर्दोगन को 52 प्रतिशत मत मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी कमाल केलिकदारोग्लू को 48 प्रतिशत वोट मिले।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति चुनाव के पहले राउंड में कोई भी उम्मीदवार 50 प्रतिशत मत हासिल नहीं कर पाया था। पहले राउंड में एर्दोगन को 49.24 प्रतिशत और कमाल केलिकदारोग्लू को 45.6 प्रतिशत मत मिले थे। दरअसल, तुर्किये के नियमों के मुताबिक राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए 50 प्रतिशत से ज्यादा मत हासिल करने होते हैं, इसलिए जब पहले चरण के मुकाबले में जब कोई निर्णय नहीं हो पाया तो 28 मई को दोबारा से चुनाव कराये गये।

दरसल, तुर्किये अत्यधिक महंगाई और कई शहरों को प्रभावित करने वाले भूकंप के प्रभाव से जूझ रहा है। वहीं एर्दोगन का निरंकुश शासन जारी रहेगा। इस तीसरे कार्यकाल में एर्दोगन घरेलू और अंतरराष्ट्रीय

स्तर पर और मजबूत होंगे तथा इस चुनाव के परिणामों का असर राजधानी अंकारा के बाहर भी महसूस किया जाएगा। माना जाए तो तुर्किये यूरोप और एशिया दोनों के लिए अहम है और यह उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राष्ट्रपति एर्दोगन ने इस्तांबुल में वोट डालने के बाद संवाददाताओं से कहा कि यह तुर्किये के इतिहास में पहला राष्ट्रपति चुनाव है, जिसमें दूसरे दौर का मतदान हुआ है। उन्होंने कहा कि मैं आगामी पांच वर्षों के लिए एक बार फिर से इस देश पर शासन करने की जिम्मेदारी सौंपने के वास्ते अपने राष्ट्र के प्रत्येक सदस्य का शुक्रिया अदा करता हूं। एर्दोगन ने अपने प्रतिद्वंद्वी कमाल केलिकदारोग्लू का मज़ाक उड़ाते हुए कहा कि बाय बया बया, कमाल। उन्होंने कहा कि आज सिर्फ तुर्किये विजेता है।

आईएमएफ से जितने पैसे पाकिस्तान उधार मांग रहा, उतने में भारत ने नई संसद बना डाली

-संसद की भव्य इमारत देख पाकिस्तानियों ने उड़े होश

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत में 971 करोड़ रुपये की लागत से बनी संसद की भव्य इमारत को देखकर पाकिस्तानियों के होश उड़े हुए हैं। पाकिस्तानी विश्लेषक और जनता देश की कंगाली पर जमकर आंसू बहा रही है। उनका कहना है कि पाकिस्तान जितने पैसे के लिए आईएमएफ के आगे भीख मांग रहा है, भारत ने उतने पैसों में संसद बना डाला। एक पाकिस्तानी ने कह दिया कि ऐसी संसद पहले कभी नहीं देखा। यही नहीं जिस तरह से इतनी तेजी से संसद को बनाया गया है, ऐसा मैंने पहली बार देखा है। पाकिस्तानी ने कहा, यह संसद अगर अंदर से देखो तब आंखें चकाचौंध हो जाती हैं।

पाकिस्तानी विशेषज्ञ हामिद बसानी कहते हैं, भारत अगर 2.5 अरब डॉलर की लागत से संसद बना रहा है, तब यह बहुत दिलचस्प है क्योंकि ढाई अरब डॉलर पाकिस्तान के लिए गले की हड्डी बन गया है। पिछले 6 महीने से आईएमएफ ने गर्दन से पकड़कर पाकिस्तान को दीवार पर टांग दिया है। 6 महीने बीत गए हैं लेकिन मिलेगा या नहीं, यह तय नहीं। उन्होंने कहा कि भारत अगर इमारत बना रहा है, तब इसके पीछे वजह उसकी तरक्की है। एक पाकिस्तानी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत है। भारत के पास पैसा है इसलिए वे इसका इस्तेमाल कर रहे हैं।

आम पाकिस्तानी नागरिक ने कहा कि आपको पता है कि पाकिस्तान भारत के विपरीत 70 साल से कटोरा पकड़कर चल रहा है। कुछ पाकिस्तानियों ने कहा कि भारत आज तरक्की करके दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन चुका है। वे कह रहे हैं कि भारत से सीखने की जरूरत है। पाकिस्तानी उस समय पर अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहे हैं जब उनका देश आईएमएफ से कर्ज के लिए गिड़गिड़ा रहा है। पाकिस्तान के कई बार कर्ज मांगने के बाद भी अभी तक उस एक फूटी कौड़ी आईएमएफ से नहीं मिली है।

पाकिस्तान को अगर जून तक किसी देश से कर्ज नहीं मिलता है, तब वह डिफॉल्ट हो सकता है। पाकिस्तान को कई अरब डॉलर के कर्ज भी लौटाने हैं, लेकिन उसके पास विदेशी मुद्राभंडार अभी मात्र 4 अरब डॉलर के ही आसपास है। वहीं अगर भारत की बात करें तब इस संसद भवन को ही बनाने में 971 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। संसद भवन की इमारत में 26,045 मिट्रिक टन स्टील, 63,807 मिट्रिक टन सीमेंट और 9,689 क्यूबिक मीटर फ्लाई ऐश का इस्तेमाल किया गया है। वहीं कुल 23,04,095 कार्यदिवस पैदा हुए। इस नई संसद के अंदर लोकसभा के 888 और राज्यसभा के 300 सदस्य बैठ सकते हैं।

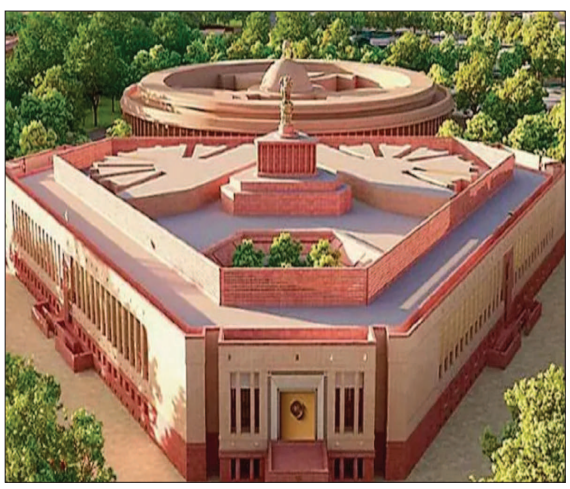

संपादकीय

कतई नहीं जरूरी होना ताकत के लिए अशाकाहारी

प्रकृति और खान - पान सदैव चोली-दामन के रूप में मानव के साथ में रहे है ।इस पूरे ब्रह्मांड में असंख्य पृथ्वी है , उनका वजन असीम हैतो ताकत भी अमाप है। सीखाया पंछीयों ने भोर वय उठ जाना, खुले गगन में सैर ,चहक-चहक जीवन का राग सुनाना। विशाल ब्रह्मांड सेहमने शुद्ध हवा पायी है । निर्मल जल,सात्विक नैसर्गिक भोजन, स्वास्थ्यप्रद रमणीक वातावरण आदि प्रकृति की देन है । ।और इनसबके परिणामस्वरूप उदारता इतनी की जब भी चाहते हैं भीड से भरी जिन्दगी से हम निकलना तो भागते हैं हम प्रकृति की शरण में । परआज हम कुदरत को सज़ा दे रहा है । उसके जीवों के साथ में खिलवाड़ कर रहे है । जैसे हम जीना चाहते है तो सभी जीव भी तो जीवनजीना चाहते हैं कोई मरना नहीं चाहता हैं । क्यों हम जीव की हिंसा कर अशुद्ध खान - पान का सेवन करे । यह वर्तमान का वातावरण , वर्तमान कि परिस्थिति आदि मनुष्य के अपने स्वार्थ के कारण आयी है । मानव खान - पान के सारे साधन जुटाने में इस क़दर मशगूल होगया कि आज पुरी दुनिया में कितने - कितने जीवों की हिंसा हो रही हैं । मनुष्य के द्वारा बिगड़ी हुई पृथ्वी को सही करने में दुनिया केसारे जीव और प्रकृति खुश-खुशहाल हो यह तभी संभव हैं जब समय रहते मानव चेत जाए। विशाल ब्रह्मांड जीने लायक बन जाए बसइतने में ईश्वर को और उनकी ताकत एव सिद्धांत को हम जाने । तभी तो कहा है कि यह कतई जरूरी नहीं कि ताकत के लिए हमअशाकाहारी भोजन खायें ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

मोदी के सामने बाइडेन के झुकने का अर्थ

(राष्ट्र-चिंतन/ लेखक- आचार्य विष्णु हरि सरस्वती)

नरेन्द्र मोदी की सहमति और उपस्थिति के बिना दुनिया के नियामक अपनी चमक बनाये रखने में असमर्थ हैं, दुनिया के नियामकों की हर क्रिया और प्रतिक्रिया पर नरेन्द्र मोदी का समर्थन अनिवार्य जैसा ही माना जा रहा है। जो बाइडेन कहते हैं कि मोदी जी आप अमेरिका आने वाले हैं, सभा के सभी टिकट बिक गये, यहां तक कि मेरे रिश्तेदार, एक्टर और उद्योगपति तक आपकी सभा में शामिल होने और आपसे मिलने के लिए टिकट मांग रहे हैं। कभी भारत के शासक अमेरिका के शासकों से मिलने और भीख मांगने के लिए तरसते थे, घंटों इंतजार कराते थे, फिर भी मिलने के लिए समय नहीं देते थे, अंतराष्टीय मंचों पर भारत को अपमानित करते थे और भारत को डराते-धमकाते भी थे।

घोर आश्चर्य और अचंभित करने करने वाला उदाहरण और कूटनीतिक घटना। किंतु पूरी तरह से सत्य। एक ऐसा सत्य जिसे पूरी दुनिया ने देखी और पूरी दुनिया के बड़े-बडे देशों के शासको ने देखा। भारत के आत्मघाती और परअस्मिता की मानसिकता से ग्रसित लोगों को इस कूटनीतिक घटना पर गर्व होगा नहीं पर दुनिया भर में रहने वाले भारतीयों और देश की देशभक्ति पर गर्व करने वाली जनता इस पर सम्मान का अनुभव जरूर कर रही है। दुनिया के सबसे बड़े शासक और दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाने वाले अमेरिका के राष्पति जो बाईडेन द्वारा नरेन्द्र मोदी के सामने खुद आकर हाथ मिलाना और झुकना क्यों नहीं बडे गर्व की बात और घटना है? यह घटना जापान की हिरोशिमा में घटी है। अमेरिका ने कभी हिरोशिमा को राख बना दिया था, परमाणु हमला कर लगभग एक लाख लोगों को मार दिया था। हिरोशिमा में जी 7 देशो का शिखर सम्मेलन आयोजित था। जी 7 देशों के शिखर सम्मेलन में बाइडेन ही क्यों बल्कि दुनिया के अन्य देशों के नामीरिरामी शासकों ने भी नरेन्द्र मोदी का स्वागत करने और मिलने में जो गर्मजोशी दिखायी, वह न केवल भारत के लिए सम्मान की बात है बल्कि भारत की बढ़ती हुई वैश्विक और कूटनीतिक शक्ति का अहसास भी कराता है। निश्चित तौर पर नरेन्द्र मोदी को इसका श्रेय जाता है कि उन्होंने अपनी कामयाबी और दूरदर्शिता की ऐसी छाप छोडी है कि दुनिया भी चकित है और नतमस्तक भी है। कभी भारत की साप-सपेरों की पहचान थी और इस पहचान को लेकर दुनिया हमारी खिल्ली उड़ाती थी लेकिन आज हमारी पहचान हर क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ आंकी जा रही है। नरेन्द्र मोदी की सहमति और उपस्थिति के बिना दुनिया के नियामक अपनी चमक बनाये रखने में असमर्थ हैं, दुनिया के नियामकों की हर क्रिया और प्रतिक्रिया पर नरेन्द्र मोदी का समर्थन अनिवार्य जैसा ही माना जा रहा है। जो बाइडेन कहते हैं कि मोदी जी आप अमेरिका आने वाले हैं, सभा के सभी टिकट बिक गये, यहां तक कि मेरे रिश्तेदार, एक्टर और उद्योगपति तक आपकी सभा में शामिल होने और आपसे मिलने के लिए टिकट मांग रहे हैं। कभी भारत के शासक अमेरिका के शासकों से मिलने और भीख मांगने के लिए तरसते थे, घंटों इंतजार कराते थे, फिर भी मिलने के लिए समय नहीं देते थे, अंतराष्टीय मंचों पर भारत को अपमानित करते थे और भारत को डराते-धमकाते भी थे। भारत दीनहीन की तरह यह सब बर्दाशत करता था। विश्वास नहीं है तो महाराजा कृष्ण रस्गोत्रा की पुस्तक पढ़ लीजिये। महराजा कृष्ण रस्गोत्रा इंदिरा गांधी पर एक पुस्तक लिखी है जिसका नाम है ए लाइफ इन डिप्लोमसी। रस्गोत्रा भारत के पूर्व विदेश सचिव थे और उन्होंने जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी के साथ काम किया था, विदेशी कूटनीति के क्षेत्र में रस्गोत्रा की तूती बोलती थी। जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के विदेश दौरे के प्रबंधन की जिम्मेदारी भी रस्गोत्रा निभाते थे। रस्गोत्रा ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि अमेरिका के राष्टपति निक्सन ने इंदिरा गांधी को लॉन बैठा कर 45 मिनट इंतजार कराया था, इसके बाद भी मिलने के समय निक्सन ने गर्मजोशी नहीं दिखायी थी और न ही उसने भारत की चिंताओं पर कोई नोटिस लिया था। प्रमुख अंतर्राष्टीय मंचों पर भारतीय शासकों को पीछे या फिर अंतिम पक्ति में खड़ा होना पड़ता था। जब भारत के शासक पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ विदेशों में बोलते थे और पाकिस्तान के आतंकवाद पर नियंत्रण करने की गुहार लगाते थे तब विदेशी शासक भारत की खिल्ली उड़ाते थे। जब कोई बड़ा शासक भारत आता था तब वह पाकिस्तान जाना भी नहीं भूलता था। यानी की विदेशी शासक पाकिस्तान को नाराज नहीं करना चाहते थे।

लेकिन आज की स्थिति क्या है? आज की स्थिति यह है कि बिना भारत की सहमति और विश्वास के बिना कोई भी वैश्विक नीति का सफल होना असंभव है। दुनिया के शासको को यह अहसास हो गया है कि वैश्विक नीतियां तभी सफल होंगी जब उसमें भारत की सक्रियता अग्रणी होगी। ऐसी स्थिति रातोरात नहीं बनी हुई है। ऐसी स्थिति को बनाने में नरेन्द्र मोदी की दृढ और निडर इच्छाएं शामिल रही हैं। प्रधानमंत्री बनने से पूर्व ही मोदी ने अमेरिका को उसी की भाषा में जवाब दिया था, आंख में आंख मिला कर जवाब दिया था और कह दिया था कि वह अमेरिकी कूटनीतिज्ञ से मिलने की कतई इच्छुक नहीं हैं। अमेरिकी राजदूत को मिलना है तो उसे गांधीनगर आना होगा। अमेरिका ने कभी मोदी को अपने यहां आने से प्रतिबंधित कर दिया था। गुजरात दंगों को लेकर अमेरिका नरेन्द्र मोदी को हिंसक मानता था। तत्कालीन अमेरिकी राजदूत नरेन्द्र मोदी विरोधी मानी जाती थी। लेकिन उस अमेरिकी राजदूत को अपमान झेलना पड़ा था, उसका अहंकार जमींदोज हो गया था। मोदी की इच्छानुसार तत्कालीन अमेरिकी राजदूत गांधीनगर गयी थी और नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी और गुजरात दंगों पर आधारित प्रतिबंधों को लेकर मोदी से माफी भी मांग ली थी। उस राजदूत को अमेरिका ने पद से हटा दिया था। अमेरिका जान गया था कि भारत पर नरेन्द्र मोदी युग की शुरूआत हो चुकी है। मोदी ने अमेरिका और यूरोप ही नहीं बल्कि मुस्लिम देशों को सीधे तौर पर नाराज कर कश्मीर से धारा 370 हटा दिया। आतंकवादी पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए एयर स्टाइक किया। अमेरिका और यूरोप तथा मुस्लिम देश नाराज होकर भारत विरोधी हरकतें करते रहे, भारत को संयम बरतने की अपील करते रहे लेकिन नरेन्द्र मोदी ने इनकी एक नहीं चलने दी। यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका और यूरोप की एक नहीं सुनी। अमेरिकी धमकियों से भारत डरा नहीं। नरेन्द्र मोदी की सरकार ने कह दिया कि हम युद्ध विरोधी हैं पर यूक्रेन

युद्ध में किसी का समर्थन और विरोध नहीं करेंगे। युद्ध रोकने के लिए संवाद की जरूरत है। अमेरिका ने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस पर कोई एक नहीं बल्कि कई प्रतिबंध लगाये हैं। रूस से तेल खरीदने पर भी प्रतिबंध लगाया। लेकिन रूस से भारत ने बराबर तेल खरीदा। भारत ने कह दिया कि हम अमेरिकी प्रतिबंध मानने के लिए कतई तैयार नहीं है। भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर अपनी अर्थव्यवस्था को गति दिया और अपनी जनता को महंगाई से राहत दिया। रूस से तेल नहीं खरीदने के लिए अमेरिका ने कई हथकंडे अपनाये थे लेकिन भारत अपनी इच्छा से डिगा नहीं। तथाकथित धार्मिक आजादी को लेकर अमेरिका और यूरोप के शासक और संस्थाएं रिपोर्ट जारी कर भारत पर दबाव बनाने का काम करते हैं लेकिन भारत अपनी स्वतंत्रता की जिम्मेदारी से भागता नहीं है। भारतीय विदेशी मंत्री ऐसी झूठी रिपोर्टो को लेकर इनकी आलोचना से पीछे नहीं हटते हैं और नसीहत देते हैं कि आप अपने घर की स्थिति संभालिये और देखिये, भारत में मानवाधिकार पूरी तरह से सुरक्षित है। इसके पहले ऐसी भाषा भारतीय कूटनीतिज्ञों के मुंह से किसी ने सुनी थी? भारतीय कूटनीति आज पूरी स्वतंत्रता और जिम्मेदारी के साथ भारत के हितों की रक्षा कर रहे हैं। ऐसा इसलिए संभव हो पा रहा है कि नरेन्द्र मोदी ने भारतीय कूटनीतिज्ञों को खुलकर खेलने और जैसे को तैसे में जवाब देने की पूरी छूट दे रखी है। ब्रिटेन, अमेरिका और नाटो देशों को चीन और रूस से निपटना मुश्किल हो रहा है। चीन अमेरिकी कूटनीतिज्ञ को बार-बार पराजित कर रहा है। रूस ने यूक्रेन पर हमला कर नाटों को सबक सिखा दिया। अमेरिका और अन्य नाटों देशो की चौधराहट आज खतरे में है। अमेरिका और नाटो यह चाहते हैं कि भारत भी चीन और रूस के खिलाफ हमारे साथ खडे रहे। चीन के साथ हमारा मतभेद है, चीन के साथ आज हम युद्धरत है, चीन हमेशा अपने पड़ोसियों पर हिंसक नजर रखता है, गरीब और विकासशील देशों को चीन सस्ते कर्ज देकर गुलाम बना रहा है। रूस भी अब विश्वसनीय नहीं है। फिर भी हमें अमेरिका नाटो के हित नहीं बल्कि अपने हित की रक्षा करनी है। नरेन्द्र मोदी निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ दुनिया का नेतृत्व करें। नरेन्द्र मोदी की निष्पक्षता और स्वतंत्रता में ही भारत सर्वश्रेष्ठ बनेगा और दुनिया भारत की शक्ति की पहचान करेगी।

यश कामना से रहित दान की सार्थकता

सीताराम गुप्ता

शास्त्रों में कहा गया है कि सैकड़ों हाथों से एकत्र करो और हजारों हाथों से बांटो। जो बांटता है वही पाता है। दान वस्तुतः प्राप्ति का ही दूसरा नाम है। आप जो देते हैं वही आपका है, शेष कुछ भी आपका नहीं। गुरु नानक देव जी भी कहते हैं कि जो भी आप देते हैं आपका है जो भी आप रख लेते हैं आपका नहीं है। इसीलिए उन्होंने पिता द्वारा व्यापार के लिए दिए गए पैसे भी साधु-संतों की सेवा में लगा दिए। भौतिक जगत में भी यही होता है। दुनिया का नियम है इस हाथ दे उस हाथ ले। लेने के लिए, प्राप्त करने के लिए पहले देना पड़ेगा। फसल काटने के लिए फसल बोनी पड़ेगी। लेकिन प्रश्न उठता है कि क्या हमें देना आता है? दान का वास्तविक स्वरूप क्या है? दान ही देना हो तो सात्विक दान देना चाहिए। राजसिक अथवा तामसिक दान का कोई महत्त्व नहीं होता। श्रीमद्भगवद्गीता के सत्रहवें अध्याय के बीसवें श्लोक में श्री कृष्ण कहते हैं– 'जो दान कर्तव्य समझकर, किसी प्रत्युपकार की आशा के बिना, समुचित काल तथा स्थान में और योग्य व्यक्ति को दिया जाता है वह सात्विक दान माना जाता है।' खलील जिब्रान लिखते हैं :- 'ऐसे भी लोग हैं जिनके पास बहुत थोड़ा है और वे सारा का सारा दे डालते हैं। ये जीवन में और जीवन की संपन्नता में आस्था रखने वाले लोग होते हैं और इनका भंडार कभी खाली नहीं होता। कुछ लोग हैं जो प्रसन्न होकर दान करते हैं और यही प्रसन्नता उनका पुरस्कार है। दूसरे लोग हैं जो कष्ट से दान करते हैं और यही कष्ट उनका ईमान है। ऐसे लोग भी हैं जो दान करते हैं लेकिन उन्हें दान करते कष्ट नहीं होता। न उन्हें प्रसन्नता की कामना होती है, न पुण्य कमाने की।' यही वास्तविक दान है। दान में राशि का भी महत्व नहीं होता। यदि महत्व होता है तो वह है भावनाओं का। शुद्ध भावना से दिया गया दान ही वास्तविक दान की श्रेणी में आता है। दान का वास्तविक स्वरूप क्या हो सकता है इस पर एक प्रसंग का स्मरण हो रहा है। एक नगर में एक विशाल चिकित्सालय का निर्माण होना था। जोर-शोर से चंदा इकट्ठा किया जाने लगा। सबसे ज्यादा दान देने वाले का नाम दानपट्टिका में सबसे ऊपर मोटे अक्षरों में लिखा जाना था। इसके लिए नगर के प्रतिष्ठित लोग लाला भगवान राय के द्वार पर पहुंचे और अधिकाधिक चंदा देने के लिए उकसाने का प्रयास करने लगे। इसमें बुराई भी कुछ नहीं थी। नेक काम के लिए चंदा मांगा जा रहा था और लाला भगवान राय भी समर्थ थे। नगर में लाला भगवान राय के अलावा ऐसा कोई व्यक्ति बचा भी नहीं था जो उनसे ज्यादा चंदा देने की सामर्थ्य रखता हो इसीलिए लोग जान-बूझकर सबसे बाद में उनके पास पहुंचे थे। एक सज्जन अब तक की सबसे ज्यादा दान की राशि की जो रसीद कटी थी उसकी काउंटर-फाइल लालाजी को दिखाने लगे। लालाजी ने पूछा कि भाई मुझसे क्या सेवा चाहते हो? आगंतुकों में से एक ने कहा कि इन्होंने ग्यारह लाख रुपये दिये हैं अतः आप कम से कम बारह लाख रुपये अवश्य दें जिससे दानपट्टिका में आपका नाम सबसे ऊपर मोटे अक्षरों में लिखा जा सके। लालाजी ने कहा कि मेरा नाम सबसे ऊपर लिखने की जरूरत नहीं है। आप जो कहेंगे वो सेवा मैं करने को तैयार हूं पर एक शर्त पर और वो ये कि दानपट्टिका में सबसे ऊपर मोटे अक्षरों में नाम इन्हीं सज्जन का लिखा जाए जिन्होंने अब तक की सबसे ज्यादा रकम ग्यारह लाख रुपए दी है। इसके फौरन बाद लालाजी ने बीस लाख रुपये उन्हें थमाते हुए कहा कि दो रसीदें काट दीजिये। एक रसीद दस लाख की मेरे नाम से और दूसरी दस लाख की मेरी सहधर्मिणी के नाम से। दानपट्टिका पर सबसे ऊपर मोटे अक्षरों में नाम लिखवाने के उद्देश्य से दिया गया दान वास्तव में यश की कामना से दिया गया दान है जो सकाम कर्म की श्रेणी में आता है। दान सदैव यश की कामना से ऊपर उठकर देना ही श्रेयस्कर है। ये अलग बात है कि निष्काम भाव से प्रदत्त सात्विक दान से जो प्राप्ति होती है उसका आकलन संभव नहीं। जिसने देने की इस कला को सीख लिया उसे भला किस चीज की कमी, और यश से उसे क्या प्रयोजन? थोड़ा दान देने वाले की पात्रता पर भी विचार कर लेते हैं। कुपात्र द्वारा दिया गया दान भी समाज का अहित ही करता है। कई लोग दान देने में तो बहुत आगे रहते हैं लेकिन उनका आचरण किसी भी दृष्टि से अच्छा नहीं होता। लाखों का दान देने वाले कई लोग अपने यहां काम करने वाले मजदूरों की मजदूरी भी ठीक से नहीं देते। उनके व्यापार में किसी प्रकार की ईमानदारी नहीं होती। गलत तरीके से पैसा कमाते हैं और दान भी देते हैं। वास्तव में दान देने का उनका उद्देश्य झूठी प्रतिष्ठा प्राप्त करना अथवा गलत कामों के पाप से बचना होता है। कुछ लोग ये समझते हैं कि दान कर देने से उनके पाप धुल जाएंगे। ये सोचना उनकी सबसे बड़ी भूल होती है। जहां हमें दान देने से प्रसन्नता होती है वहीं गलत कामों का परिणाम भी हमें अवश्य वहन करना होता है।

नए संसद भवन के लोकार्पण पर इतिहास के अमिट हस्ताक्षर

(लेखक- सनत जैन)

भारत में 96 वर्ष के बाद संसद को नया भवन मिला है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। लोकतंत्र के इस नए मंदिर में विधि विधान और पूजा पाठ के बाद सम्पन्न हुआ। लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास प्रधानमंत्री ने अपने कर कमलों से सैंगोल स्थापित किया है। यह सैंगोल राजतंत्र का प्रतीक है। इसे राजदंड भी कहा जाता है। मठ और मंदिर द्वारा जब नये राजा का राज्याभिषेक होता था। तब राजा को यह राजदंड भेंट किया जाता था। नई संसद भवन के लोकार्पण के अवसर पर सर्व धर्म सभा का आयोजन हुआ। भारत में इतने सारे धर्म और इतनी सारी धार्मिक और सामाजिक परंपराएं हैं। उन्हें एक जगह पर एकत्रित कर पाना नामुमकिन है। फिर भी सरकार ने प्रयास किए, प्रमुख धार्मिक गुरुओं को लाकर सत्ता के स्थायीकरण के लिए मंत्रोच्चारण कराए गए, यह अच्छी बात है। संसद के नए भवन की देश और दुनिया में जिस तरह से उद्घाटन समारोह की चर्चा हुई है। उद्घाटन समारोह के दौरान जो-जो हुआ है। वह निश्चित रूप से अमिट इतिहास के रूप में दर्ज होगा। इस इतिहास को मिटा पाना,उकिसी के लिए संभव नहीं होगा। इतिहास चिरस्थाई होता है। इतिहास को बदलना किसी के लिए भी संभव नहीं होता है। भारत सनातन धर्म मानने वाला देश है। पौराणिक, धार्मिक एवं सामाजिक आस्थाओं का जितना ज्ञान भारत में लिपिबद्ध है। वह दुनिया के अन्य किसी देश में पास नहीं है। सनातन धर्म की तरह भारतीय संस्कृति भी अनादि काल से चली आ रही है। श्रुति के माध्यम से एक पीढ़ी दूसरी पीढ़ी को ज्ञान देती रही है। क्योंकि तब कोई लिपि और भाषा नहीं होती थी। हमारे साधु-संतों आचार्यों ने लिपि आने के बाद इसे समय-समय पर पौराणिक और ऐतिहासिक घटनाओं को दस्तावेजों के रूप में लिपीबद्ध किया है। सनातन काल से आज तक के इतिहास में कोई भी एक विचारधारा स्वीकार्मता नहीं मिली ह, यह सच है। शिव भक्तों और वैष्णव भक्तों में भी समय-समय पर लड़ाइयां होती रही हैं। घर परिवार में भी लगातार विवाद होते रहते हैं। सत्ता के लिए धर्म का उपयोग कोई पहली बार नहीं हो रहा है। इसके भी हजारों उदाहरण हैं। वही सत्ता इतिहास के पन्नो में ज्यादा समय तक कायम रही है। जिसमें जनकल्याण की भावना थी। धार्मिक, सामाजिक और पारिवारिक संस्कार और धर्म अलग-अलग हो सकते हैं। लेकिन राजधर्म की सत्ता मे प्रजा का सुख शांति एवं सुरक्षा ही सर्वोपरि होती है। नए संसद भवन के उद्घाटन में लोकतंत्र से राजतंत्र की ओर जाने का एक सफर देखने को मिला है। इससे कोई इनकार नहीं कर सकता है। लोकतंत्र के मंदिर में राजतंत्र की परंपराओं को स्थापित करना, राजदंड के रूप में प्रधानमंत्री द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास राजदंड की स्थापना करना, संसद की पहली कार्यवाही में लोकसभा अध्यक्ष के बराबर बैठना, लोकतांत्रिक परंपराओं और राजतंत्र की परंपराओं का भेद उजागर करने वाली हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रमुख राष्ट्रपति का इस कार्यक्रम में उपस्थित ना होना, भी राजतंत्र की कल्पना को मजबूत बनाता है। राज्यसभा के सदस्यों एवं राष्ट्रपति- उपराष्ट्रपित का चुनाव विधानसभा और लोकसभा के निर्वाचित प्रतिनिधि करते हैं। राज्यसभा को उच्च सदन और राष्ट्रपति को संवैधानिक मुखिया का दर्जा प्राप्त है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संविधान ही प्रमुख है। इस लोकार्पण कार्यक्रम से राष्ट्रपति को दूर रखे जाने की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया सर्वत्र हो रही है। नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह बड़ी भव्यता के साथ किया गया। इस अवसर पर जंतर मंतर पर पिछले कई दिनों से बैठे पहलवानों के साथ, जो भारत के लिए अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव के रूप में स्थापित हो चुके हैं। उन्हें पुलिस ने बड़ी बेदर्दी से घसीट कर गिरफ्तार किया। इस घटना को भी दुनिया भर के मीडिया ने कवर करते हुए, इतिहास के रूप में दर्ज किया है। सत्ता सर्वोपरि होती है, वह जो करना चाहती है, वह ताकत के बल पर कर लेती है। निर्बलों के समर्थन से सत्ता मजबूत होती है। नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर, यह हम भूल गए। सत्ता का नशा अहंकार को जन्म देता है। राम-रावण युद्ध की कथा हमारे पौराणिक ग्रंथों में है। इतिहास से सबक लिया जा सकता है। इतिहास को मिटाया नहीं जा सकता है। इतिहास बनने के लिए लोग बहुत कुछ ऐसा करते हैं, जो भूलाना भविष्यति की सोच पर आधारित होता है। संसद के उद्घाटन समारोह की जितनी चर्चा भारत में हो रही है। उतनी ही चर्चा जंतर-मंतर में बैठे हुए पहलवानों की गिरफ्तारी, उनके पंडाल को तोड़ने, खाप पंचायतों और किसानों को बॉर्डर पर रोक देने की हो रही है। एक व्यक्ति बृजभूषण सिंह को बचाने के लिए सरकार द्वारा जन भावनाओं के साथ जो खिलवाड़ किया गया है। उससे निश्चित रूप से राज शक्ति और जनशक्ति के बीच में दूरियां बढ़ी हैं। जनशक्ति से राज शक्ति बनती है। राज तभी तक सुरक्षित रहता है, जब तक जनशक्ति उसके साथ है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संविधान के अनुसार सत्ता जनतंत्र में निहित है। हर 5 साल में जनता, अपने लिए शासक चुनती है। शासक को चुनने और हटाने का अधिकार जनता के पास है। यही लोकतंत्र और राजतंत्र का फर्क है।

सुकून और सुंदरता

का एक ही नाम सफेद

- विज्ञान ने भी साबित किया है कि गर्मियों में हल्के सुहाने रंग राहत और सुकून पहुंचाते हैं। और यदि तेज, चुभती धूप में कपड़ों का रंग सफेद हो तो... ये बिल्कुल जादू की तरह काम करता है। देखकर सुकून का आभास होता है।
- सफेद लिबास के साथ अवचेतन में इतनी शुभ्रता, शुचिता, सुकून के अहसास जुड़े हैं कि सफेद के जन्मदिन की पार्टी- सफेद हर जगह शानदार लगता है, गरिमामय लगता है। सफेद लिबास के साथ एक और सुविधा है। आप कई तरह की एक्सेसरीज पहन सकते हैं। बहुत कम ऐसे मौसम होते हैं जिनका कोई प्रतिनिधि रंग हो, लेकिन गर्मी का अपना प्रतिनिधि रंग है, सफेद। इन दिनों भड़कीले या

बहुत धुंधले (डल) रंग न दिल को भाते हैं न आंखों को। सिर्फ अपने तन में ही नहीं, दूसरों पर भी इन दिनों सफेद रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं।

गाउन में सजी कोई युवती पहली नजर में परियों-सी लगती है। हम जब भी खूबसूरती, मासूमियत और अलौकिकता की साझी कल्पना करते हैं तो दिलो-दिमाग में सफेद वस्त्रों में सजी परियां थिरक उठती हैं। बहरहाल, जिन देशों में मार्च के कदम रखते ही गर्मी भी दस्तक देने लगती है, वहां चिलचिलाती धूप और बेचैन करने वाली तपिश के दिनों में फैशन और सुकून का एक ही रंग दिखता है, सफेद।

- साल 2012 का प्रतिनिधि रंग कोई भी हो, दहलीज पर गर्मी के कदम पड़ते ही सफेद रंग की हुकूमत चारों तरफ दिखाई देने लगती है। यह महज संयोग नहीं है कि हर साल स्प्रिंग कलेक्शन यानी बसंत ऋतु में होने वाले फैशन सप्ताहों में सफेद रंग की बादशाहत दिखती है। गर्मियों में हल्का-फुल्का, ढीला-ढाला और कैजुअल कुछ भी पहन सकते हैं। चाहे बीच पार्टियां हों, चाहे किसी
- लड़कियों में सफेद कुर्ते, सफेद टॉप, सफेद गाउन कुछ इस तरह खिलते हैं, जैसे वाकई ये उजली-उजली परियां हों। एक फायदे की बात यह है कि आज सफेद रंग में हर तरह की एक्सेसरीज आसानी से मैच करती है।
- आप सफेद टॉप के साथ नीली जींस का क्लासिक कॉम्बिनेशन इस्तेमाल कर सकते हैं तो आमतौर पर काले को छोड़कर (...और वो भी इसलिए, क्योंकि काला रंग रोशनी को सोखता है, इसलिए इन दिनों बेचैन करता है) कोई भी रंग सफेद के साथ मैच कर जाता है यानी सफेद के साथ कॉम्बिनेशन बनाने में आपको कतई परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ती है।
- इसकी रसायनिक विशिष्टता तो यह है कि यह आंखों का सुकून और दिल को ठंडक पहुंचाता है। यह हमारी तमाम उग्रता को ठंडा कर देता है।
- सफेद महज रंग नहीं है, यह पूरी संस्कृति है। यह एक पूरी सभ्यता है इसलिए सफेद रंग जितना चिलचिलाती गर्मी से सुकून देता है, वैसे ही बेचैन करने वाली भावनाओं के मामले में भी सुकून पहुंचाता है। यही कारण है कि दुनियाभर में बच्चों की मासूमियत को उभारने के लिए उन्हें उसके साथ जोड़कर देखने के लिए ज्यादातर स्कूलों की यूनीफॉर्म सफेद होती है।
- सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। जब फिजा में आतिशी हवा के झोंके हों, कपड़े बेचैन करते हों, भला उस समय भड़कीले रंग किसे अच्छे लगते हैं यही वजह है कि पश्चिम से लेकर पूरब तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक गर्मियों में सफेद लिबास का जलवा दिखता है।
- डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं, क्योंकि वे यह बताना चाहते हैं कि यह रंग ईमानदारी, पवित्रता और ईश्वरीयता का प्रतिनिधि है।
- सफेद रंग के साथ कई फायदे हैं- भावनात्मक, कुदरती और सामाजिक भी। इसकी सामाजिकता में भी समरसता है। यही कारण है कि सफेद रंग सबको भाता है, सब पर फबता है चाहे सेलिब्रिटीज पहन लें या फिर कोई आम आदमी। सबको यह रंग आकर्षित करता और सब पर यह रंग आकर्षक लगता है। ऐसा नहीं है कि हम सफेद कपड़े कभी भी पहन सकते हैं।
- वाकई सफेद सदाबहार रंग है और इसके इतने विस्तृत आयाम हैं कि अगर आपने कई जोड़ी यानी जरूरत से ज्यादा भी इन दिनों सफेद कपड़े खरीद लिए हैं तो आपको सर्दियों के कपड़ों की तरह संदूक में साल के बाकी महीनों के लिए नहीं रखने पड़ेंगे। आप इन्हें लगातार पहन भी सकते/ सकती हैं। सफेद रंग के साथ आप अपनी चाहतों के सभी रंगों की एक्सेसरीज पहन सकती हैं। सफेद रंग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। यह हमेशा खूबसूरत और ट्रेंडी लगता है।
- गर्मियों में सफेद टी-शर्ट और टॉप के जलवे देखते ही बनते हैं। मर्लिन मुनरो आज भी चेतन-अवचेतन में अगर किसी परी की तरह कैद हैं तो उसी सफेद ड्रेस में। गर्मियों में तमाम सेलिब्रिटीज सफेद रंग में ही नजर आते हैं तो आप क्यों न नजर आएं। इसलिए अगर सीजन की खरीदारी करने के लिए निकलना है तो अपनी सूची में सफेद कपड़ों के लिए जगह बना लीजिए, आखिर इन गर्मियों में परियों की तरह जो लगना है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है, अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

कैसे शुरू करें बच्चों की

बेड टाइम ट्रेनिंग

आज की लाइफ स्टाइल पहले की लाइफ स्टाइल से बहुत अलग है। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट ने हमारी जिंदगी में जितनी चीजें आसान बना दी है, उतना ही हम व्यस्त भी हो गए हैं। अगर आपके बच्चे का प्री-स्कूल जाने का समय आ गया है और उसका अभी भी रात में सोने का कोई निर्धारित समय नहीं है तो यह आपके लिए एक समस्या का कारण हो सकता है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है। अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

नींद पूरी न होने से बच्चे के मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं हो पाता। क्या आप अपने बच्चे के स्कूल की शुरुआत ऐसे करना चाहेंगे? इसलिए शुरू से उसे बेड टाइम ट्रेनिंग की आदत डालनी चाहिए।

यह ठीक उसी तरह है जिस तरह हमारी मां हमें सोने से पहले अपनी लोरियां सुनाती थीं। आइए जानें कुछ ऐसी बातें जिससे हम अपने बच्चे को ट्रेंड कर सकते हैं बेड टाइम ट्रेनिंग के लिए-

1. बेड टाइम ट्रेनिंग आप 4 से 5 माह के बच्चे के साथ कर सकते हैं। शुरुआत में आपको थोड़ी समस्या जरूर होगी लेकिन बाद में यह बहुत मददगार साबित होगी। बच्चे को सुलाने से पहले आप उनकी हल्की-हल्की मालिश कीजिए। गुनगुने पानी से उनका मुंह-हाथ धोएं (स्पंज करना)।
2. उनके कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। एक समय पर कमरे की लाइट्स बंद कर दें। ऐसा करके आप उन्हें सिग्नल दे रहे हैं और बेड टाइम के लिए तैयार कर रहे हैं।
3. बच्चों को कोई गाना, सॉफ्ट म्यूजिक सुनाएं। लाइट बंद करने से पहले आप बच्चों को पिक्चर बुक्स भी दिखा सकती हैं। ऐसा करने से बच्चों को बुक्स पड़ने की आदत पड़ती है।
4. सोने से पहले भगवान का कोई सा मंत्र भी सुना सकती हैं। कुछ बच्चों को अपना मनपसंद खिलौना लेकर सोना भी अच्छा लगता है। बच्चों को सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक सुनना बहुत अच्छा लगता है और उसे सुनने से उनके दिमाग का विकास भी होता है इसीलिए तो बरसों से चलता आ रहा लोरी का एक अपना ही महत्व है।
5. छोटे बच्चे (6 माह से 1 साल के बीच) रात में दूध के लिए जरूर उठते हैं। धीरे-धीरे उसका भी एक समय बनाते जाएं जिससे बच्चा और आप दोनों अच्छे से अपनी नींद पूरी कर सकें।
6. जैसे-जैसे बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, आप उसे बेड में जाने से पहले मुंह-हाथ धुलाकर ब्रश करना सिखाएं। कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। सोने से पहले उन्हें दूध जरूर दें। उन्हें उनका मनपसंद खिलौना दें।
7. उन्हें किताब से कहानी सुनाएं। शुरुआत में तो बच्चे को टाइम देना आवश्यक है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे को जब इस टाइम टेबल की आदत हो जाएगी तो आपके और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत लाभदायक होगा।
8. शाम को उसे कोई हॉबी क्लास या बगीचे में घूमने के लिए ले जाएं जिससे बच्चा अपना समय टीवी और लैपटॉप में न देकर खेले-कूदे और थक जाए। ऐसा करने से उसे नींद अच्छी आएगी और जल्दी आएगी।

कोशिश करें कि धीरे-धीरे उसे अपने आप टाइम से बेड पर जाने की आदत हो जाए ताकि आप भी अपने आपको कुछ समय दे सकें।

ऐसे करें अपने बच्चे को प्री-स्कूल भेजने की तैयारी

अपने बच्चे को प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी भेजना बहुत बड़ा कदम है और यह टेंशन भी पैदा करता है। यहां गाइड आपको बताएंगे कि आप क्या उमीद रखें, जब आप अपने बच्चे को पहली बार स्कूल लेकर जाएं।

1. अपने बच्चे से प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी के बारे में बात करें, उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप उसे अपने से दूर नहीं भेज रही है। उनसे उनके व्यहवार के बारे में बात करें और मूल बातें सिखाएं।
2. स्कूल के पहले दिन के लिए क्या-क्या आवश्यक है, इस बारे में पता करें- जैसे पढ़ने का समय, नाश्ते का समय आदि ताकि आप उन्हें समझा सकें कि स्कूल से वे क्या उम्मीद रखें।
3. स्कूल की जरूरत की चीजें खरीदने में मजा लाए जैसे आपके बच्चे के पसंदीदा कार्टून की पेंसिल खरिदें, अपने बजट का ध्यान रखें।
4. एक रात पहले उनसे पूछे कि स्कूल को लेकर उनके मन में क्या सवाल है?
5. उन्हें स्कूल छोडने जाएं और जब स्कूल खत्म हो तब स्कूल के बाहर उनका इंतजार करें।
6. अपने बच्चे की टीचर से हर रोज बातचीत करते रहे, उनसे समय-समय पर मिलकर बच्चे के बारे में जानकारी लें। इससे आपके बच्चे को स्कूल में नई सफलता मिलने लगेंगी। पता करें कि आप ऐसा क्या कर सकती है, जिससे आपके बच्चे और उसकी टीचर को मदद मिले।
7. अपने बच्चे से रोज पूछे कि उसने स्कूल में क्या किया? आपके बच्चे को पता होना चाहिए की स्कूल कितना जरूरी है।

लगभग 96 प्रतिशत महिलाएं दिन में एक बार किसी-न-किसी बात पर अपराध बोध महसूस करती हैं। वो कौन-सी बातें हैं, जिनके लिए हम खुद को दोषी ठहराती हैं और क्या है इस अपराध बोध से निकलने का तरीका।

पछताना छोड़ें

खुश रहना सीखें

क्या दिन में कम-से-कम एक बार आप इस बात का अफसोस जताती हैं कि मेरा वजन जरूर बढ़ गया है या फिर आज फिर से घर की सफाई को अधूरा छोड़कर मैं ऑफिस आ गई। अगर इन सब सवालों का जवाब हां में है, तो घबराएं नहीं। अधिकांश महिलाओं का यह स्वभाव होता है। पर परेशानी की बात यह है कि हर चीज के लिए खुद को दोषी ठहराने की हमारी आदत धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होती जाती है। हर बिगड़े हुए काम के लिए खुद को लगातार दोषी ठहराने की आपकी यह आदत आपको अवसाद के घेरे में भी ले सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इन अवसादों से उबरने का तरीका आप सीख लें।

बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाती

अधिकांश काम-काजी मां का यह मानना होता है कि वे ऑफिस की अपनी जिम्मेदारियों और बच्चों की जिम्मेदारी के बीच सही संतुलन नहीं बना पाई हैं। पर सवाल यह है कि ऑफिस में रहकर बच्चों को वक्त न दे पाने का अफसोस जताने से न तो बच्चों के साथ आप वक्त बिता पा रही हैं और न ही ऑफिस की जिम्मेदारियों को पूरा करने में आप अपना 100 प्रतिशत दे पाएंगी। इस समस्या का एकमात्र हल यह है कि आप जो भी काम वर्तमान में कर रही हैं, उसे अपना 100 प्रतिशत दें। अगर ऑफिस में हैं तो वहां की जिम्मेदारियां पूरी तन्मयता से पूरी करें और अगर घर पर हैं तो बच्चों को पूरा वक्त दें।

वजन कम ही नहीं कर पा रही

70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं कभी-न-कभी डाइटिंग करती हैं, बावजूद इसके कि उन्हें वजन कम करने की जरूरत हो या नहीं। अगर आप वाकई स्लिम और खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो इस दिशा में आपको गंभीर प्रयास करना होगा। नियमित एक्सरसाइज करें या फिर जिम जाने के लिए वक्त निकालें। साथ ही इस बात को स्वीकारें कि वजन कम करना या फिर बढ़ाना आप पर पूरी तरह से निर्भर करता है, इसलिए खुद को दोष देने की जगह इस दिशा में प्रयास करें।

शॉपिंग में कुछ ज्यादा ही पैसे खर्च कर दिए

हर महिला को शॉपिंग करने में मजा आता है, पर कई लोग ढेर सारे शॉपिंग बैग के साथ घर लौटने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त हो जाते हैं। पर आपको यह समझना होगा कि जब परिवार के अन्य सदस्यों पर खर्च करने से आपको किसी तरह का अपराध बोध नहीं होता, तो फिर खुद पर खर्च करने के बाद पछतावा क्यों? दूसरी बात यह भी है कि अगर आप शॉपिंग के दौरान खरीदे गए सामानों पर गौर करेंगी, तो पाएंगी कि आप सिर्फ उन्हीं चीजों पर खर्च कर रही हैं, जिसकी आपको वाकई जरूरत है।

कभी टाइम पर नहीं पहुंच पाती

कभी-कभार, स्थिति ऐसी पैदा हो जाती है कि लाख कोशिशों के बावजूद हम वक्त पर नहीं पहुंच पाते हैं। कभी-कभी हमारी इमेज ही लेट-लतीफ वाली बन जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हम अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। ऑटो या बस में बैठकर और जाम में घंटों फंसे रहकर इस बात का अफसोस करने से कोई फायदा नहीं है कि आप लेट पहुंचने वाली हैं। कभी-कभार अपनी गलती के बिना भी आप किसी मीटिंग में देर से पहुंच सकती हैं। ऐसी घटनाओं के लिए खुद को दोष देना बंद करें।

खुद के लिए वक्त नहीं मिलता

सुपर वुमेन बनने की चाहत या मजबूरी के चलते महिलाओं को अक्सर खुद के लिए ही वक्त नहीं मिलता। फिर धीरे-धीरे शुरू होता है इस बात का अफसोस कि अपनी मनपसंद किताब पढ़े सालों बीत गए या फिर पार्लर जाने के लिए वक्त ही नहीं मिलता। पर आपको इस बात को समझना होगा कि कभी-कभार कुछ ना करना भी जरूरी है ताकि आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बन सकें।

भारत में इनकम टैक्स कलेक्शन बहुत अधिक, टैक्स घटाकर 25 फीसदी किया जाएः अर्थशास्त्री

मुंबई । भारत में अन्य देशों की तुलना में इनकम टैक्स कलेक्शन काफी अधिक है और ऐसे में आयकर की दर को मौजूदा करीब 40 फीसदी से घटाकर 25 फीसदी किया जाना चाहिए। एक अर्थशास्त्री ने यह बात कही। उन्होंने बताया कि आर्थिक वृद्धि की गति को तेज करने के लिए कर की दर में कमी करना जरूरी हयि हम दुनिया में बहुत अधिक वैश्वीकृत अर्थव्यवस्था हैं। यदि आप भारत में कर संरचना को देखते हैं, तो इनकम टैक्स का संग्रह काफी अधिक है, जबकि हम दुनिया के सबसे धनी अर्थव्यवस्था नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य, केंद्र और स्थानीय निकायों का कर संग्रह भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 19 फीसदी है। हमें इसे दो फीसदी कम करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। जहां तक प्रत्यक्ष करों का संबंध है, मुझे लगता है कि कुल कर की दर 25 फीसदी से अधिक नहीं होनी चाहिए। अभी यह अधिभार को मिलाकर 40 के करीब है। हमारी कॉरपोरेट कर की दर 25 फीसदी है, यही हमारी आयकर दर होनी चाहिए। इस समय भारत में आयकर की अधिकतम दर 39 फीसदी है। उन्होंने कहा` कि समाज के एक चुनिंदा वर्ग को लाभ पहुंचाने की जगह करों को सभी के लिए कम करने की जरूरत है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान भारत का सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 20 फीसदी से अधिक बढ़कर 19.68 लाख करोड़ रुपये हो गया।

मारुति को पहली तिमाही में उत्पादन में नुकसान की आशंका

नई दिल्ली । देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उत्पादन में नुकसान की आशंका है। हालांकि कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि जुलाई-सितंबर की तिमाही से स्थिति सुधरने की उम्मीद है। कंपनी अब भी इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों की कमी से जूझ रही है, जिसके चलते पहली तिमाही में उसको उत्पादन में नुकसान की आशंका है। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी काफी समय से चिप के संकट का सामना कर रही है जिससे उसके आपूर्तिकर्ता बाजार मांग को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने कहा` कि हमें पिछले वित्त वर्ष में 1.7 लाख इकाइयों के उत्पादन का नुकसान हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में हमारा नुकसान लगभग 45,000 इकाइयों का था। इसी तरह चौथी तिमाही में लगभग 38,000 इकाइयों का नुकसान हुआ। मांग अधिक और आपूर्ति कम रहने की वजह से कंपनी के लंबित ऑर्डर चार लाख इकाई को पार कर गए हैं। सबसे ज्यादा एक लाख ऑर्डर अर्टिगा के लंबित हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा आपूर्ति की स्थिति के साथ कंपनी को अप्रैल में उत्पादन का नुकसान हुआ है। कुछ यही स्थिति मई और जून में भी जारी रहने की आशंका है। अर्टिगा के अलावा कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा के 60,000 इकाइयों के ऑर्डर लंबित हैं। जिम्नी और फ्रोंक्स के 30,000-30,000 इकाइयों के ऑर्डर लंबित हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले महीनों में चिप आपूर्ति की स्थिति में कुछ सुधार होगा। इसलिए संभवतः जुलाई के बाद से हम स्थिति में कुछ सुधार देखेंगे।

एलन मस्क फिर बन सकते हैं दुनिया के सरताज

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

टेस्ला, स्पेसएक्स और ट्विटर के सीईओ एलन मस्क एक बार फिर दुनिया का सबसे बड़ा रईस बनने के करीब पहुंच गए हैं। पिछले दिनों उनकी नेटवर्थ में 6.22 अरब डॉलर का उछाल आया और यह 185 अरब डॉलर पहुंच गया। अभी पहले नंबर पर फ्रांस से बर्नार्ड आरनॉल्ट हैं। उनकी नेटवर्थ 193 अरब डॉलर है। इस साल एलन मस्क की नेटवर्थ में 48.4 अरब डॉलर की तेजी आई है जबकि आरनॉल्ट की नेटवर्थ 31.2 अरब डॉलर बढ़ी है। दोनों की नेटवर्थ में अब केवल आठ अरब डॉलर का फासला रह गया है। यानी कुछ ही दिनों में मस्क एक बार फिर आरनॉल्ट से आगे निकल सकते हैं। अक्टूबर 2021 में मस्क की नेटवर्थ 300 अरब डॉलर के पार चली गई थी और यह मुकाम हासिल करने वाले वह दुनिया के पहले अरबपति थे। लेकिन पिछले साल यानी 2022 में उनकी नेटवर्थ में गिरावट आई। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे और पेशे से इंजीनियर मस्क एक साथ कई कंपनियों को संभालते हैं। लेकिन उनकी नेटवर्थ में आई उछाल की वजह टेस्ला के शेयरों की कीमत में तेजी है। टेस्ला दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी है जबकि दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों की लिस्ट में यह नौवें स्थान पर है। 2020 और 2021 में मस्क की नेटवर्थ में काफी तेजी आई थी। मस्क की कंपनी स्पेसएक्स लिस्टेड नहीं है। इस बीच ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 144 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ तीसरे नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ में 5.11 अरब डॉलर का उछाल आया। माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स चौथे और लैरी एलिसन पांचवें नंबर पर हैं। एशिया और भारत के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी 86.1 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 13वें नंबर पर हैं। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी 62.9 अरब डॉलर के साथ 18वें नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ में 43.8 करोड़ डॉलर की गिरावट आई।

हाउसिंग डॉट कॉम की वेबसाइट पर मासिक टैरिफ दो करोड़ तक पहुंचाः सीईओ

नई दिल्ली । प्रौद्योगिकी आधारित संपत्ति क्षेत्र की कंपनी हाउसिंग डॉट कॉम की वेबसाइट पर मासिक टैरिफ दो करोड़ तक पहुंच गया है, जो उसके कोविड पूर्व स्तर से चार गुना ज्यादा है। कंपनी के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि यह वृद्धि मांग में सुधार और रियल एस्टेट क्षेत्र में डिजिटल मंचों की स्वीकार्यता बढ़ने से संभव हुई है। ऑस्ट्रेलिया के आरईए समूह और अमेरिका के न्यूज कॉर्प के स्वामित्व वाली हाउसिंग डॉट कॉम देश में प्रमुख रियल एस्टेट पोर्टलों में शामिल है। आरईए इंडिया तीन पोर्टल- हाउसिंग डॉट कॉम, प्रॉपटाइगर और मकान डॉट कॉम चलाता है।

जून महीने में निपटा लें कई वित्त संबंधी काम, आखिरी मौका

नई दिल्ली । जून महीने में कई वित्त संबंधी कामों की डेडलाइन है। अगर आपने इनमें से कोई भी एक काम नहीं किया, तब आपको भविष्य में नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। पैन और आधार को लिंक करने की आखिरी तारीख 30 जून, 2023 तक बढ़ा दी गई थी। ईपीएफओ ने हायर पेंशन का ऑप्शन चुनने की डेडलाइन 26 जून 2023 की है। इससे पहले इसकी डेडलाइन 3 मई थी। इंडियन बैंक ने आईएनडी सुपर 400 डेज वाले स्पेशल एफडी की डेडलाइन को 30 जून, 2023 तक बढ़ा दिया है। इंडियन बैंक अब पब्लिक को 7.25 फीसदी, सीनियर सिटीजन को 7.75 फीसदी और सुपर सीनियर सिटीजन को 8.00 फीसदी का ब्याज दे रही है। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने अमृत कलश स्पेशल एफडी की डेडलाइन को 03 जून 2023 तक के लिए बढ़ा दिया है। बैंक ने इस से पहले रिटेल टर्म डिपॉजिट प्रोग्राम शुरू किया था। ये प्रोग्राम 15 फरवरी, 2023 से 31 मार्च, 2023 तक वैलिड थी। ग्राहक इस एफडी में 30 जून तक आवेदन दे सकते हैं। यूआईडीएआई ने आधार अपडेट की डेडलाइन 14 जून निर्धारित की है। अगर आप ऑनलाइन आधार अपडेट करते हैं तब आपको कोई चार्ज नहीं देना होगा, लेकिन वहीं ऑफलाइ में अपडेटेशन चार्जिस लगाया जाएगा। इस सुविधा नें आधार होल्डर्स अपना बायोमैट्रिक, एड्रेस, नाम, फोटो तक अपडेट कर सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों के लिए लॉकर एग्रीमेंट के रिन्यूवल को 31 दिसंबर 2023 तक पूरा करने की समय सीमा बढ़ा दी है। आरबीआई ने 30 जून 2023 तक 50 फीसदी और 30 सितंबर 2023 तक 75 फीसदी का लक्ष्य रखा है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 345 अंक , निफ्टी 99 अंक उछला

मुम्बई ।(एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी से बाजार उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 344.69 अंक करीब 0.55 फीसदी बढ़कर 62,846.38 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 63,026.00 अंक तक जाने के बाद 62,801.54 तक फिसला। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 99.30 अंक तकरीबन 0.54 फीसदी बढ़कर 18,598.65 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 18,641.20 की उंचाई तक जाने के बाद 18,581.25 तक फिसला।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 20 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, सबसे ज्यादा करीब 3.32 फीसदी तक उछले , इसके अलावा टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचडीएफसी के शेयर भी सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयरों में रहे। दूसरी ओर मात्र 10 शेयर ही नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। एचसीएल टेक, पावर ग्रिड, मारुति, विप्रो और टीसीएस सेंसेक्स के सबसे ज्यादा नुकसान वाले शेयर रहे। एचसीएल के शेयर सबसे अधिक 0.97 फीसदी तक टूटे। इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में तेजी और सप्ताहांत में उधार लेने की सीमा बढ़ाने के लिए अमेरिका के एक अस्थायी सौदे पर पहुंचने के बाद सप्ताह के पहले कारोबारी दिन वैश्विक बाजार से मिल रहे साकारात्मक संकेता का असर घरेलू शेयर बाजार पर भी साफ देखने को मिल रहा है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी रही। प्री-ओपनिंग में बढ़त देखने को मिल रही है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 299.85 अंक की बढ़त के साथ 62,801.84 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 114.60 की बढ़त के साथ 18,613.95 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार 600 से अधिक अंकों की तेजी के साथ हरे निशान पर बंद हुआ।

आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस के शेयर 14 फीसदी तक चढे

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस के शेयरों में सोमवार को जबरदस्त तेजी आई है। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस के शेयर सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 14 फीसदी की तेजी के साथ 1256.70 रुपए पर पहुंच गए। इंश्योरेंस कंपनी के शेयरों में यह तेजी आईसीआईसीआई बैंक की तरफ से किए गए एक ऐलान की वजह से आई है। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड के शेयरों का 52 हफ्ते का उच्च स्तर 1369 रुपए है। दरअसल, आईसीआईसीआई बैंक ने आईसीआईसीआई लोम्बार्ड में 4 फीसदी हिस्सेदारी बढ़ाने से जुड़े अपने प्लान का ऐलान किया है। आईसीआईसीआई बैंक इस 4 फीसदी हिस्सेदारी में से कम से कम 2.5 फीसदी हिस्सेदारी को 9 सितंबर 2024 से पहले खरीदेगा। आईसीआईसीआई बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने आईसीआईसीआई लोम्बार्ड में हिस्सेदारी बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। घरेलू ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों पर बाय रेटिंग बनाए रखी है और 1400 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। मौजूदा समय में आईसीआईसीआई बैंक की अपनी जनरल इंश्योरेंस इकाई आईसीआईसीआई लोम्बार्ड में 48.02 फीसदी हिस्सेदारी है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की गाइडलाइंस के मुताबिक, बैंक या तो 30 फीसदी से कम हिस्सेदारी रख सकती है या फिर इसे अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 50 फीसदी से ज्यादा करनी होगी। आईसीआईसीआई बैंक ने एक्सचेंज को यह भी इन्फॉर्म किया है कि उसके बोर्ड ने संदीप बत्रा की बतौर एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर 2 और साल के लिए फिर से नियुक्ति को मंजूरी दी है।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर पद के लिए एक जून को होगा साक्षात्कार

नई दिल्ली । कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली समिति एक जून को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर पद के लिए पांच उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेगी। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एमके जैन का विस्तारित कार्यकाल 21 जून को पूरा हो रहा है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर के पद के लिए यह पद एक वाणिज्यिक बैंकर के लिए आरक्षित है। सूत्रों के अनुसार इस पद के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के एक बैंक के गैर-कार्यकारी चेयरमैन सहित पांच उम्मीदवारों का नाम छांटा गया है। सूत्रों ने कहा कि कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली वित्तीय क्षेत्र नियामक नियुक्ति खोज समिति (एफएसआरएएससी) दिल्ली में उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेगी। साक्षात्कार में चुने गए नाम को अंतिम मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति के पास भेजा जाएगा। खोज समिति में कैबिनेट सचिव के अलावा आरबीआई गवर्नर, वित्तीय सेवा सचिव और दो स्वतंत्र सदस्य शामिल हैं। आरबीआई अधिनियम, 1934 के अनुसार केंद्रीय बैंक में चार डिप्टी गवर्नर होने चाहिए, जो इस समय एम के जैन, माइकल देवव्रत पात्रा, एम राजेश्वर राव और टी रबी शंकर हैं। डिप्टी गवर्नर की नियुक्ति तीन साल के लिए की जाती है। उनके कार्यकाल को बढ़ाया जा सकता है। डिप्टी गवर्नर को प्रति माह 2.25 लाख रुपए का वेतन तथा अन्य भत्ते मिलते हैं।

दो अरब डॉलर का निर्यात खतरे में, जर्मनी की मंदी ने बढ़ाई भारत की चिंता

- वर्ष 2022 में भारत के कुल निर्यात में जर्मनी का हिस्सा 4.4 प्रतिशत जर्मनी था

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

दुनिया की चौथी और यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी वाला देश जर्मनी मंदी में फंस चुका है। इससे भारत समेत दुनिया के कई देशों की चिंता बढ़ गई है। जर्मनी में आर्थिक मंदी से भारत का रसायन, मशीनरी, परिधान और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों का यूरोपीय संघ को निर्यात प्रभावित हो सकता है। भारतीय उद्योग परिसंघ की निर्यात-आयात पर समिति के चेयरमैन संजय बुधिया ने यह बात कही है। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि जर्मनी में आर्थिक मंदी का भारतीय निर्यात पर असर जानना अभी जल्दबाजी होगी। जर्मनी की जीडीपी में लगातार दूसरी तिमाही में गिरावट आई है। साल 2022 की चौथी तिमाही में 0.5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 2023 की पहली तिमाही में इसमें 0.3 प्रतिशत गिरावट आई। तकनीकी रूप से लगातार दो तिमाहियों में गिरावट को मंदी कहा जाता है। बुधिया ने कहा कि वर्ष 2022 में भारत के कुल निर्यात में जर्मनी का हिस्सा 4.4 प्रतिशत जर्मनी था। भारत ने मुख्य रूप से जैविक रसायनों, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान, फुटवियर, लौह-इस्पात के साथ-साथ चमड़े की वस्तुओं का निर्यात किया था। हालांकि जर्मनी में मंदी के भारत पर प्रभाव का अभी आकलन करना जल्दबाजी होगा, लेकिन उपरोक्त क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि पूरा ईयू बढ़ती ऊर्जा कीमतों का सामना कर रहा है, जिससे लगातार दो तिमाहियों से जर्मनी में मंदी बनी हुई है। जर्मनी के मंदी में फंसने से पूरे ईयू पर इसका असर दिख सकता है। उन्होंने कहा कि भारत के कुल एक्सपोर्ट में ईयू की हिस्सेदारी 14 फीसदी है। ईयू देशों में भारत से सबसे ज्यादा निर्यात जर्मनी को होता है। इसके बाद नीदरलैंड्स, बेल्जियम, इटली और फ्रांस का नंबर है।

एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बुधिया ने कहा कि ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के मुताबिक जर्मनी में मंदी से भारत का करीब दो अरब डॉलर का निर्यात प्रभावित हो सकता है। इनमें स्मार्टफोन, अपेरल, फुटवियर और लेदर गुड्स शामिल हैं। जर्मनी के भारत में निवेश के बारे में उन्होंने कहा कि मंदी से इस पर असर हो सकता है। अगर 2000 से 2022 तक के एफडीआई के आंकड़ों पर नजर डालें तो जर्मनी नौवें नंबर पर है। वहां से इस दौरान कुल 13.6 अरब डॉलर का निवेश आया है। यह खासकर ट्रांसपोर्ट शनस इलेक्ट्रिक इक्विपमेंट्स मेटालर्जिकल इंडस्ट्रीज, सर्विसेज सेक्टर, केमिकल्स, कंस्ट्रक्शन एक्टिविटी, ट्रेडिंग और ऑटोमोबाइल्स में है।

चीन पर निर्भरता कम करने भारत समेत 14 देशों ने कर ली बड़ी डील

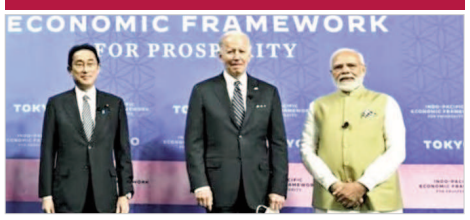

वाशिंगटन ।(एजेंसी)

चीन पर निर्भरता कम करने के लिए बने गुट को बड़ी सफलता मिली है। इस गुट में अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान, इंडोनेशिया और मलेशिया समेत 14 देश शामिल हैं। इन 14 देशों ने इंडो-पैसिफिक इकॉनोमिक पार्टनरशिप के तहत सप्लाई चेन एग्रीमेंट में महत्वपूर्ण निष्कर्ष पर पहुंचने की घोषणा की है। इस एग्रीमेंट का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आईपीईएफ के देश कच्चे माल की कमी जैसी स्थितियों से निपटने में एक-दूसरे का सहयोग करें। जिससे कोविड और अनावश्यक व्यापार प्रतिबंधों जैसी स्थिति में कम से कम नुकसान हो। इसके अलावा आईपीईएफ में शामिल देश इनके बीच बने आपातकालीन संचार नेटवर्क के माध्यम से सेमीकंडक्टर सप्लाई या शिपिंग लाइनों में दिक्कतों से निपटने के लिए एक साथ आ सकते हैं। इन देशों के बीच एक क्राइसिस रिस्पांस नेटवर्क स्थापित किया जा रहा है। इसके अलावा सप्लायर्स और स्किल्ड मैनपावर का पता लगाने के लिए मैकेनिज्म बनाया जा रहा है। साथ ही देशों की निवेश जुटाने में भी मदद की जाएगी। सप्लाई चेन में एक महत्वपूर्ण चीज लेबर राइट्स होंगे, जो आने वाले वर्षों में कुछ तनाव बढ़ा सकते हैं। इस प्रस्तावित डील के बारे में जानकारी अभी नहीं बताई गई है। टोक्यो में इस पहल की शुरुआत के ठीक एक साल बाद पहली डील पूरी हुई थी। 2022 की दूसरी छमाही में बातचीत शुरू हुई थी। यह ग्रुप चार पिलर्स पर डील के बारे में चर्चा कर रहा है। इनमें क्लीन एनर्जी, निष्पक्ष अर्थव्यवस्था और व्यापार भी शामिल है।

आखिरी पिलर पर वार्ता में भारत शामिल नहीं है। आईपीईएफ की पहल को प्रमुख एशियाई देशों के साथ अमेरिकी सरकार के गठजोड़ के रूप में देखा जा रहा है। जिनमें से कुछ के अतीत में चीन के साथ घनिष्ठ संबंध रहे हैं, लेकिन अब उनके संबंध अलग हो गए हैं।

आयकर विभाग के नोटिस का जवाब नहीं देने वाले कर दाताओं की जांच करेगा विभाग

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

आयकर विभाग ने जांच के दायरे में लिए जाने वाले मामलों के बारे में दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके तहत ऐसे आयकरदाता जिन्होंने विभाग द्वारा भेजे गए नोटिस का जवाब नहीं दिया है, उनके मामलों की जांच अनिवार्य रूप से की जाएगी। विभाग उन मामलों की जांच भी करेगा जहां किसी कानून प्रवर्तन एजेंसी या नियामकीय प्राधिकरण द्वारा कर अपवंचना से संबंधित विशिष्ट जानकारी उपलब्ध कराई गई है। दिशानिर्देशों के अनुसार, कर अधिकारियों को आय में विसंगतियों के बारे में आयकरदाताओं को 30 जून तक आयकर अधिनियम की धारा 143(2) के तहत नोटिस भेजना होगा।इसके बाद आयकरदाता को इस बारे में संबंधित दस्तावेज पेश करने होंगे।

इसने कहा कि जहां अधिनियम की धारा 142(1) के तहत नोटिस के जवाब में कोई रिटर्न नहीं दिया गया है, ऐसे मामले को नेशनल फेसलेस असेसमेंट सेंटर (एनएएफएसी) को भेजा जाएगा, जो आगे की कार्रवाई करेगा। धारा 142(1) कर अधिकारियों को रिटर्न दाखिल किए जाने की स्थिति में एक नोटिस जारी कर और स्पष्टीकरण या जानकारी मांगने का अधिकार देती है। जिन मामलों में रिटर्न दाखिल नहीं किया गया है, तो उन्हें निर्धारित तरीके से आवश्यक जानकारी पेश करने को कहा जाता है। आयकर विभाग ऐसे मामलों की एकीकृत सूची जारी करेगा जिनमें सक्षम प्राधिकरण द्वारा छूट को रद्द या वापस किए जाने के बावजूद आयकरदाता आयकर रियायत या कटौती की मांग करता है। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि अधिनियम की धारा 143(2) के तहत आयकरदाताओं को एनएएफएसी के माध्यम से नोटिस दिया जाएगा।

पेट्रोल और डीजल नोएडा-गाजियाबाद में महंगा

- ब्रेंट क्रूड 0.69 फीसदी बढ़कर 77.48 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में सोमवार को तेजी देखने को मिल रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.77 फीसदी की तेजी के साथ 73.23 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.69 फीसदी बढ़कर 77.48 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुछ बदलाव किया है। झारखंड में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 81 पैसे की गिरावट आई है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 41 और डीजल 40 पैसे सस्ता हुआ है। इसी तरह कर्नाटक, तेलंगाना और राजस्थान में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी आई है।

उधर महाराष्ट्र में पेट्रोल 37 पैसे और डीजल 35 पैसे महंगा हुआ है। मध्य प्रदेश में भी पेट्रोल 33 और डीजल 30 पैसे बढ़ा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपए और डीजल 89.93 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.44 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपए और डीजल 89.81 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

आईपीएल की एक दिन की देरी ने खराब किया भारतीय टीम का गणित

डब्ल्यूटीसी को लेकर सामने आई परेशानी

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय टीम के कई खिलाड़ी इन दिनों इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में खेल रहे है। आईपीएल के 16वें सीजन का फाइनल मुकाबला जो 28 मई को खेला जाना था वो बारिश के कारण एक दिन आगे बढ़ गया है। अब 29 मई को गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स दोनों टीमों में से एक टीम का चयन जरुर मिल जाएगा।

अगर 29 मई को भी अहमदाबाद में बादल छाए रहे या बारिश हुई और रविवार की तरह मैच नहीं खेला जा सक तो गुजरात को विजेता घोषित कर दिया जाएगा। हालांकि आईपीएल का मुकाबला सिर्फ एक ही दिन आगे बढ़ा है मगर इससे पूरी भारतीय टीम के माथे पर परेशानी की लकीरें उभर आई है। एक दिन आईपीएल का मुकाबला आगे बढ़ने से भारतीय टीम का पूरा शेड्यूल तितर बितर हो गया है। वहीं आईपीएल का फाइनल मुकाबला एक दिन आगे बढ़ने से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल मुकाबले पर सीधा असर पड़ेगा क्योंकि इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए भारतीय टीम के खिलाड़ी तय समय पर इंग्लैंड नहीं पहुंच सकेंगे।

आईपीएल का फाइनल मुकाबला अगर 28 मई को हुआ होता तो भारतीय टीम 29 मई को इंग्लैंड के लिए रवाना हो गई होती। हालांकि ऐसा नहीं हो सका है। वहीं पूर्व कप्तान विराट कोहली, मोहम्द सिराज, शार्दुल ठाकुर और उसके बाद रोहित शर्मा इंग्लैंड पहुंच गए है। यानी जिन भारतीय खिलाड़ियों के लिए आईपीएल खत्म हो गया है वो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए इंग्लैंड पहुंच चुके है।

बता दें कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में खेलने वाले शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और मोहम्मद शमी अब तक इंग्लैंड नहीं जा सके है क्योंकि तीनों ही खिलाड़ी गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के अहम खिलाड़ी हैं जिन्हें फाइनल मुकाबले में होना जरुरी है। माना जा रहा था कि सभी खिलाड़ी 29 मई को फाइनल मुकाबला खेलने के बाद रवाना हो जाएंगे मगर इस पूर

खिलाड़ी अब तक इंग्लैंड नहीं पहुंच सके है। जानकारी के अनुसार कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल भी इंग्लैंड पहुंच चुके है। बता दें कि यशस?वी जायसवाल को स्टैंडबाय खिलाड़ी के तौर पर ले जाया गया है।

मांसपेशियों में खिंचाव के कारण एफबीके खेलों से हटे नीरज चोपड़ा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। गत ओलंपिक भाला फेंक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने सोमवार को कहा कि उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है और एहतियाती तौर पर वह अगले महीने होने वाले एफबीके खेलों से हट रहे हैं। दुनिया के नंबर एक भाला फेंक खिलाड़ी चोपड़ा ने ट्विटर पर लिखा, ''हाल में ट्रेनिंग के दौरान मेरी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया। चिकित्सा आकलन के बाद मैंने और मेरी टीम ने ऐसे किसी भी जोखिम से बचने का फैसला किया जिससे चोट बढ़ जाए।'' उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्य से इसका मतलब है कि मुझे हेंगेलो (नीदरलैंड) में होने वाले एफबीके खेलों से हटना होगा।''

विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर की गोल्ड स्तर की प्रतियोगिता फैनी ब्लेंकर्स कोएन खेल नीदरलैंड के हेंगेलो में चार जून को होने हैं। पांच मई को दोहा डाइमंड लीग में 88.67 मीटर की दूरी के साथ खिताब जीतकर सत्र की शानदार शुरुआत करने वाले 25 साल के चोपड़ा के 13 जून को फिनलैंड के तुर्कू में होने वाले पावो नुर्मी खेलों के साथ वापसी करने की उम्मीद है। नीरज ने कहा, ''चोटें सफर का हिस्सा हैं लेकिन यह कभी आसान नहीं होता। मैं उबर रहा हूं और जून में ट्रैक पर वापसी को लक्ष्य बनाया है।

अभ्यास मैच नहीं खेलने के सवाल पर बोले कैरी, हमें अपनी तैयारियों पर भरोसा

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के पहले अभ्यास मैच नहीं खेलने को लेकर उठ रहे सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि इस बारे में बाद में बात की जा सकती है। कैरी ने साथ ही कहा है कि उन्हें अपनी टीम की तैयारियों पर भरोसा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के खिलाफ सात जून से ओवल में डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलेगी पर इससे पहले कोई अभ्यास मैच नहीं रखे जाने से दिग्गज खिलाड़ियों ने नाराजगी व्यक्त की है। उनका कहना है कि इसी कारण टीम को बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में नुकसान हुआ था। कैरी ने कहा, ''सभी खिलाड़ियों की हाल के दिनों में व्यक्तिगत प्रतिबद्धताएं थी। हमारे कुछ खिलाड़ी यहां इंग्लैंड में क्रिकेट खेल रहे थे। कुछ खिलाड़ी आईपीएल में व्यस्त थे तथा कुछ खिलाड़ी अपने परिवार के साथ समय बिता रहे थे। उन्होंने कहा,'अब हम यहां एक साथ मिलकर टेस्ट चैंपियनशिप में खेलने को लेकर उत्साहित हैं तथा मुझे लगता है कि अभ्यास मुकाबला खेलना चाहिये या नहीं इस बारे में हम बाद में बात कर सकते हैं। कैरी ने कहा, '' एक खिलाड़ी के रूप में मुझे लगता है कि हम पहले मैच के लिए पूरी तरह तैयार हैं इसलिए मुझे लगता है कि अभ्यास मैच नहीं खेलना उन चीजों में से एक होगा जिन पर टेस्ट मैच के बाद बात की जा सकती है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को भारत के खिलाफ श्रृंखला हार का सामना करना पड़ा पर पर उसने एक मैच जीता था। उन्होंने कहा, '' हमने उस दौर से काफी कुछ सीखा तथा पहले दो मैच हारने के बाद हमने इंदौर में जीत दर्ज की और फिर अंतिम टेस्ट मैच ड्रॉ कराया। इससे हमारे इरादों का पता चलता है। इसलिए हम बढ़े हुए मनोबल के साथ मैदान पर उतरेंगे और प्रयास करेंगे कि पिछली गलतियों को न दोहरायें।

एशेज के लिए सपाट पिच बनाने से इंग्लैंड को ही होगा नुकसान: गेलेस्पी

सिडनी (एजेंसी)। इंग्लैंड ने अगले माह जून में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली एशेज सीरीज के लिए सपाट पिच मांगी हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर जेसन गेलेस्पी का मानना है कि इससे इंग्लैंड को ही नुकसान होगा। दोनो ही टीमों के बीच एशेज सीरीज का पहला मुकाबला 16 जून को एजबेस्टन में खेला जायेगा और अंतिम मुकाबला ओवल में 27 जुलाई से शुरू होगा। इंग्लैंड टीम के एशेज सीरीज के लिए सपाट पिच बनाने की मांग पर गेलेस्पी ने कहा कि इससे हमें ही लाभ होगा क्योंकि इस प्रकार की सतह पर हमारी टीम अधिक बेहतर खेलती है।

माना जा रहा है कि इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने ही सपाट पिच बनाने की मांग की थी, जिससे वह अधिक तेजी से रन बना सकें। इसके अलावा ये भी कहा जा रहा है कि इंग्लैंड सीमा रेखा को भी छोटी कर चाहता है जिससे ज्यादा चौके-छक्के लग सकें।

गेलेस्पी ने कहा हमने सुना है कि इंग्लैंड बल्लेबाजी वाली पिचें चाहता है जिससे वो आक्रामक खेल सकें पर मुझे लगता है कि उनकी इस रणनीति से हमें ही अधिक लाभ होगा। इसका कारण है कि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज इस तरह की पिचों पर गेंदबाजी करने में ज्यादा कुशल हैं। जोश हेजलवुड, कैमरन ग्रीन, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की लंबाई ज्यादा है और इंग्लैंड के गेंदबाजों के मुकाबले वह इस प्रकार की पिच पर अधिक बेहतर गेंदबाजी कर सकते हैं।

रायडू ने आईपीएल से संन्यास की घोषणा की

अहमदाबाद। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज अंबाती रायडू ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा कर दी है। रायडू ने कहा, 2 महान टीमें एमआई और सीएसके से मैंने खेला है, इसमें 204 मैच, 14 सत्र, 11 प्लेऑफ, 8 फाइनल, 5 ट्रॉफी मिली हैं।आप सभी का धन्यवाद। नो यू टर्न। रायडू ने साल 2010 में मुंबई इंडियंस की ओर से आईपीएल की शुरुआत में 2017 सत्र तक तीन खिताब जीते। रायुडू को सीएसके ने 2018 सत्र के लिए खरीदा था, जहां उन्होंने 16 पारियों में 43 की औसत से 602 रन बनाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया इससे पहले साल 2022 में भी रायडू ने संन्यास की घोषणा की थी। तब उन्होंने लिखा था, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि यह मेरा आखिरी आईपीएल होगा। मैंने इसे खेलते हुए और 13 साल तक 2 शानदार टीमों का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा समय बिताया है। शानदार सफर के लिए मुंबई इंडियंस और सीएसके को दिल से धन्यवाद देना चाहूंगा। तब रायडू ने कुछ समय के अंदर ही अपना ये पोस्ट हटा भी लिया था पर इस बार उनका फैसला अंतिम है।

भारत के अर्जुन ने शारजाह मास्टर्स शतरंज खिताब जीता

शारजाह (ईएमएस)। भारत के अर्जुन एरिगासी ने शारजाह मास्टर्स शतरंज खिताब जीता है। अर्जुन अंतिम दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकूबबोएव को हराने के साथ ही सबसे अधिक 6.5 अंक हासिल कर शीर्ष पर पहुंचे। इस जीत के साथ ही अर्जुन की रेटिंग फिर से 2700 अंकों के पार पहुंच गयी है। वह नौवें दौर में जीत हासिल करने वाले अकेले खिलाड़ी रहे। वहीं भारत के ही डी गुकेश ने भी अच्छा खेल दिखाया पर अंतिम दौर में उनका मुकाबला ईरान के अमीन तबातबाई के खिलाफ बराबरी पर रहा। इससे उन्हें तीसरा स्थान मिला। अमेरिका के सेमुएल सेविएन की बाजी अंतिम दौर में हमवतन ओपरिन ग्रिगोरिय से ड्रॉ रही। ऐसे में वह 6 अंक हासिल कर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर दूसरे स्थान पर रहे जबकि भारत के ही निहाल सरीन 5.5 अंक हासिल कर टाईब्रेक के आधार पर नौवे स्थान पर रहे।

धोनी को अब संन्यास ले लेना चाहिये : कपिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को आईपीएल से अब संन्यास ले लेना चाहिये। माना जा रहा है कि कपिल इस सत्र के बाद खेल को अलविदा कह देंगे। वहीं प्रशंसक चाहते हैं कि धोनी आगे भी खेलते रहें। इम्पैक्ट प्लेयर नियम आने से उनकी ये उम्मीद और भी बढ़ गयी है और उन्हें लग रहा है कि धोनी इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतर सकते हैं। वहीं कपिल का कहना है कि धोनी को संन्यास ले लेना चाहिए। उन्होंने कहा, वह 15 साल से आईपीएल खेल रहा है। ऐसा क्यों है कि हम अब भी धोनी के बारे में ही बात कर रहे हैं? उसने अपना काम कर दिया है। हम इससे ज्यादा उनसे क्या चाहते हैं? हम चाहते हैं कि वह पूरी जिंदगी भर खेले? ऐसा नहीं होने वाला है। इसकी जगह हमें धोनी का आभारी होना चाहिए कि वह 15 साल खेले हैं। उन्होंने आगे कहा, वह अगले साल खेलते हैं या नहीं पर उन्होंने जानें से पहले अपना प्रभावशाली खेल दिखाया है। भले ही उन्होंने इस सत्र में ज्यादा रन नहीं बनाये पर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया है। जिससे पता चलता है कि क्रिकेट में एक कप्तान का कितना महत्व होता है।

अभ्यास मैच नहीं खेलने के सवाल पर बोले कैरी, हमें अपनी तैयारियों पर भरोसा

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के पहले अभ्यास मैच नहीं खेलने को लेकर उठ रहे सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि इस बारे में बाद में बात की जा सकती है। कैरी ने साथ ही कहा है कि उन्हें अपनी टीम की तैयारियों पर भरोसा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के खिलाफ सात जून से ओवल में डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलेगी पर इससे पहले कोई अभ्यास मैच नहीं रखे जाने से दिग्गज खिलाड़ियों ने नाराजगी व्यक्त की है। उनका कहना है कि इसी कारण टीम को बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में नुकसान हुआ था।

कैरी ने कहा, ''सभी खिलाड़ियों की हाल के दिनों में व्यक्तिगत प्रतिबद्धताएं थी। हमारे कुछ खिलाड़ी यहां इंग्लैंड में क्रिकेट खेल रहे थे। कुछ खिलाड़ी आईपीएल में व्यस्त थे तथा कुछ खिलाड़ी अपने परिवार के साथ समय बिता रहे थे। उन्होंने कहा, '' अब हम यहां एक साथ मिलकर टेस्ट चैंपियनशिप में खेलने को लेकर उत्साहित हैं तथा मुझे लगता है कि अभ्यास मुकाबला खेलना चाहिये या नहीं इस बारे में हम बाद में बात कर सकते हैं। कैरी ने कहा, '' एक खिलाड़ी के रूप में मुझे लगता है कि हम पहले मैच के लिए पूरी तरह तैयार हैं इसलिए मुझे लगता है अभ्यास मैच नहीं खेलना उन चीजों में से एक होगा जिन पर टेस्ट मैच के बाद बात की जा सकती है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को भारत के खिलाफ श्रृंखला हार का सामना करना पड़ा पर पर उसने एक मैच जीता था।

उन्होंने कहा, '' हमने उस दौर से काफी कुछ सीखा तथा पहले दो मैच हारने के बाद हमने इंदौर में जीत दर्ज की और फिर अंतिम टेस्ट मैच ड्रॉ कराया। इससे हमारे इरादों का पता चलता है। इसलिए हम बढ़े हुए मनोबल के साथ मैदान पर उतरेंगे और प्रयास करेंगे कि पिछली गलतियों को न दोहरायें।

भारत की अंडर-14 टीम ने रोलर स्केट बास्केटबॉल में जीता स्वर्ण

ग्रेटर नोएडा। भारत की अंडर-14 टीम ने रोलर स्केट बास्केटबॉल में स्वर्ण पदक जीता है। इस चैंपियनशिप का आयोजन वर्ल्ड रोलर स्केट बास्केटबॉल फेडरेशन और नेपाल रोलर स्केट बास्केटबॉल फेडरेशन ने किया था। भारत की टीम ने नेपाल को 11-3 से हराकर जीत दर्ज की। इस टीम में यहां के दो खिलाड़ी भी शामिल थे। ग्रेटर नोएडा में रहने वाले दो बच्चों रिषिश सिंह और पुलकित परासर ने नेपाल की टीम को हराकर पदक जीता है। गत 19 से 21 मई तक नेपाल के काठमांडू में ट्राई सीरीज इंटरनेशनल चैंपियनशिप 2023 हुई थी। इस टूर्नामेंट में भारत ने स्वर्ण पदक जीते है। यह मैच अंडर 14 टूर्नामेंट था जिसमें रिषिश ने दो पॉइंट लिए थे। वहीं, पुलकित ने अपनी जीत का सारा श्रेय अपने माता पिता को देते हैं। वहीं अंडर 14 टीम इंडिया के कोच आकाश रावल बताते हैं कि इस चैंपियनशिप का आयोजन वर्ल्ड रोलर स्केट बास्केटबॉल फेडरेशन और नेपाल रोलर स्केट बास्केटबॉल फेडरेशन ने किया था। भारत की टीम ने नेपाल को 11-3 से हरा दिया था। इस टीम में उत्तर प्रदेश के अलावा गुजरात, महाराष्ट्र के भी खिलाड़ी शामिल थे।

दीक्षा को बेल्जियन ओपन में छठा स्थान

एंटवर्प। भारतीय महिला गोल्फर दीक्षा डागर बेल्जियन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से छठे स्थान पर रहीं हैं। दीक्षा ने यूरोपीय टूर पर अच्छा प्रदर्शन करते हुए सत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। दीक्षा ने 18वें होल में बोगी के बाद भी अंतिम दौर में पार का स्कोर किया। वहीं जर्मनी की पैट्रीशिया इसाबेल शिमिट को अंतिम दौर में छह अंडर 66 के स्कोर से दो शॉट की बढ़त के साथ ही खिताब मिला है। इस सत्र की कमजोर शुरुआत करने वाली दीक्षा ने अपनी पिछली चारों प्रतियोगिताओं में कट हासिल करते हुए अपने प्रदर्शन को बेहतर किया है। इस दौरान कट हासिल करने वाली एक अन्य भारतीय अमनदीप द्राल ने अंतिम दौर में एक अंडर 71 के स्कोर से संयुक्त 24वां स्थान हासिल किया।

नीरज , छेत्री सहित दिग्गज खिलाड़ियों ने पहलवानों के साथ किये क्रूर व्यवहार की कड़ी आलोचना की

-तस्वीर से छेड़छाड़ करने वालों पर बरसी साक्षी, शर्मनाक बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलवानों के धरने को समाप्त के लिए जिस प्रकार दिल्ली पुलिस ने बर्बरता की है उसकी ओलंपिक स्वर्ण विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा सहित कई दिग्गज खिलाड़ियों ने कड़ी आलोचना की है। कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरने पर बैठे पहलवाल जब रविवार का नये संसद भवन की ओर बढ़ने लगे तो पलिस ने उन्हें मारपीट कर हिरासत में ले लिया। इस दौरान दिल्ली पुलिस के क्रूर रवैये से लोग सकते में है। इसके बाद जंतर-मंतर पर खिलाड़ियों की ओर से लगाए गए टेंट को भी पुलिस ने उखाड़ दिया। वहीं इस मामले में सबसे शर्मनाक हरकत ये रही कि सोशल मीडिया पर हिरासत के दौरान महिला पहलवानों की तस्वीर से छेड़छाड़ कर उन्हें हंसते हुए दिखाया गया। इस पर ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि जो लोग ऐसा कर रहे हैं, उनमें जरा भी शर्म और इंसानियत नहीं है। भगवान ऐसे लोगों को कैसे बनाता है? परेशान लड़कियों के चेहरों के साथ कैसे छेड़खानी की जा सकती है। मुझे नहीं लगता कि उनके पास भी दिल होता है।

किलियन एम्बाप्पे ने रचा इतिहास, लगातार चौथी बार जीता ये बड़ा अवॉर्ड

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस सेंट जर्मेन के काइलियन एम्बाप्पे ने खास रिकॉर्ड अपने नाम किया है। किलियन एम्बाप्पे ने लगातार चौथे साल लीग 1 में प्लेयर ऑफ द ईयर के खिताब पर कब्जा किया है। इस खिताब को हासिल करते ही किलियन एम्बाप्पे ने एक रिकॉर्ड भी कायम कर लिया है।

1 प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब लगातार चार बार जीतने वाले किलियन एम्बाप्पे पहले खिलाड़ी बन गए है। किलियन एम्बाप्पे को 2019, 2021 और 2022 के बाद अब 2023 में भी ये खिताब मिला है। लगातार चार सीजन में ये खिताब जीतने वाले वो पहले प्लेयर है। इस खिताब को हासिल कर रिकॉर्ड बनाने के बाद किलियन एम्बाप्पे ने कहा कि मैं हमेशा जीतना चाहता था। इसे जीतना खुशी की बात है। लीग के इतिहास में अपना नाम दर्ज कराना हमेशा से मेरी चाहत थी। हालांकि ये उम्मीद नहीं थी कि ये इतनी जल्दी हासिल होगा।

पेरिस सेंट जर्मन के खिलाड़ी ने 7वीं बार किया कब्जा

बता दें कि ये प्रतिष्ठित अवॉर्ड बीते सात बार से लगातार पेरिस सेंट जर्मन के खिलाड़ियों को ही मिल रहा है। किलियन एम्बाप्पे से पहले ये खिताब ज्लाटन इब्राहिमोविक (2016), एडिन्सन कैवानी (2017), नेमार जूनियर (2018) को मिल चुका है। यानी साफ है कि इन सभी खिलाड़ियों के नक्शे कदम पर ही किलियन एम्बाप्पे भी चल रहे है। किलियन एम्बाप्पे ने धमाकेदार प्रदर्शन किया था। वर्ष 2023 में इस अवॉर्ड के लिए पीएसजी के चार खिलाड़ियों को नॉमिनेट किया गया था जिसमें कीलियन एम्बाप्पे, अचरफ हकीमी, लियोनेल मेस्सी और नूनो मेंडेस का नाम शामिल था। इन सभी को लीग 1 टीम ऑफ द ईयर में नोमिनेशन मिला था।

मेसी को पहली बार मिला नॉमिनेशन

बता दें कि इस बार अर्जेंटीना को विश्व कप जिताने वाले लियोनेल मेसी को भी पहली बार सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग इलेवन में नॉमिनेशन मिला था। बता दें कि इस बार नूनो मेंडेस ने लगातार दूसरी बार सर्वश्रेष्ठ लेफ्ट बैक का खिताब अपने नाम किया है।

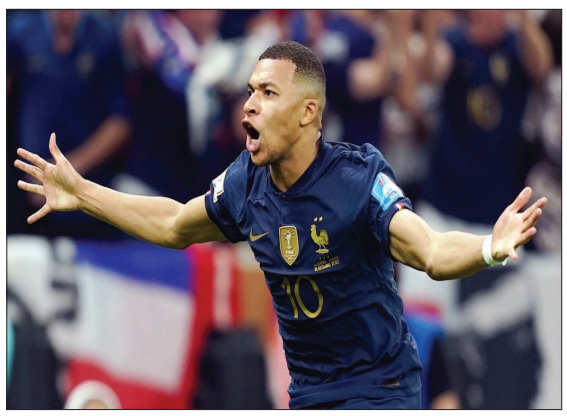

अंडर-20 विश्व कप फुटबॉल : होंडुरास को हराने के बाद भी फ्रांसीसी टीम बाहर हुई

ब्यूनस आयर्स। फ्रांस की टीम अंडर-20 विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता से बाहर हो गयी है। फ्रांस की टीम ग्रुप एफ के अपने शुरुआती दोनो ही मैच हार गयी थी, इस कारण अंतिम मैच में होंडुरास के खिलाफ 3-1 से जीत के बाद भी उसे कोई लाभ नहीं हुआ और वह नॉकआउट चरण में नहीं पहुंच पायी और प्रतियोगिता से बाहर हो गयी है। इससे ग्रुप एफ से जांबिया और दक्षिण कोरिया की टीमें आगे निकल गयीं है। फ्रांस को अंतिम मैच में सर्वश्रेष्ठ तीन टीमों में जगह बनाने के लिए एक और गोल की जरुर थी जो वह कर नहीं पायी। अगर वह गोल कर पाती तो बेहतर गोल अंतर के कारण अंतिम 16 में पहुंच जाती जबकि ट्यूनीशियाई टीम बाहर हो जाती।

जूनियर एशिया कप हॉकी : थाईलैंड को हराकर भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंची

सलालाह। भारतीय टीम ने थाईलैंड को 17-0 से हराकर जूनियर पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। भारतीय टीम ने पूल ए के अपने अंतिम मैच में थाईलैंड पर बड़ी जीत दर्ज की। भारत ने अब तक इस टूर्नामेंट में चीनी ताइपे, जापान और थाईलैंड को हराया। वहीं पाकिस्तान से उसका मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा। थाईलैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने शुरू से आक्रामक रुख अपना। भारत की ओर से अंगद बीर सिंह ने चार गोल 13वें, 33वें, 47वें और 55वें मिनट में किए। अंगद के अलावा भारत की ओर से योगम्बर रावत 17वें, कप्तान उत्तम सिंह 24वें, 31वें, अमनदीप लाकड़ा 26वें, 29वें, अरिजीत सिंह हुंदल 36वें, विष्णुकांत सिंह 38वें, बॉबी सिंह धामी 45वें, शारदा नंद तिवारी 46वें, अमनदीप 47वें, रोहित 49वें, सुनीत लाकड़ा 54वें और राजिंदर सिंह 56वें ने भी गोल दागे। भारतीय टीम अंतिम क्वार्टर शुरू होने से पहले 10-0 से आगे थी। भारतीय टीम का सेमीफाइनल में किससे मुकाबला होगा ये पूल बी की टीमों मलेशिया और ओमान तथा पूल ए में पाकिस्तान और जापान के बीच होने वाले मैच के बाद ही पता चलेगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध का सूरत के हीरा उद्योग पर गंभीर असर, कई कारखाने बंद होने से कर्मचारियों की बढ़ी मुश्किलें

सूरत।

रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध और अमेरिका व यूरोप में मंदी का हीरा उद्योग पर बुरा असर हुआ है। खासकर ब्रिटन सरकार के रूस के हीरों पर प्रतिबंध लगाने से वहां निर्यात की समस्या पैदा हो गई है। निर्यात घटने की वजह से सूरत के कई हीरा कारखाने बंद होने से उसमें काम करने वाले कर्मचारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध टालने के लिए दुनिया के कई देश लगातार प्रयासरत हैं। लेकिन करीब सवा साल बीत जाने के बावजूद रूस इसके लिए तैयार नहीं है। रूस और यूक्रेन युद्ध का विश्व की अर्थव्यव-स्था पर बुरा असर पड़ रहा है। यूरोप के कई देशों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव हो रहा है। इसके अलावा फिलहाल अमेरिका मंदी से जूझ रहा है। सूरत में तैयार होनेवाले हीरों का अमेरिका, यूरोप और चीन समेत कई देश सबसे बड़े खरीदार हैं। वैश्विक मंदी का असर सूरत के हीरा उद्योग पर दिखने लगा है। हीरों की डिमांड नहीं होने की वजह से कई कारखानों में छुट्टी घोषित कर दी गई है तो कई में काम घंटे घटा दिए गए हैं। अप्रैल महीने में नेचरल डायमंड की निर्यात में करीब 35 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक ओर हीरा उद्योग पहले से कई समस्याओं से जूझ रहा है, दूसरी ओर अमेरिका के बाद ब्रिटन सरकार द्वारा रूस के हीरों पर प्रतिबंध लगाने से नई समस्या की चिंता उद्योगकारों को सता रही है। अमेरिका के साथ 60 प्रतिशत व्यापार होता है, लेकिन वहां की कंपनियों ने कहा है कि वह रूस के डायमंड से तैयार ज्वैलरी नहीं खरीदेंगी। अमेरिका के बाद अब ब्रिटेन और दुबई इसी आधार पर सौदा कर रहे हैं। डिमांग घटने की वजह से सूरत में हीरे के छोटे कारखाने फिलहाल बंद है और इनके 5 जून तक खुलने की संभावना नहीं है। जिसकी वजह से हीरा कारखानों में काम करने वाले कर्मचारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। व्यापारियों ने ऐसे कर्मचारियों के लिए राहत पैकेज जारी करने की सरकार से मांग की है। कई हीरा कंपनियों ने तो मार्केट में सामान्य स्थिति नहीं होने तक कारखाने बंद रखने की कर्मचारियों की जानकारी दे दी है।

आगामी 12 दिन गुजरात पर भारी, अरब सागर में चक्रवात की संभावना: अंबालाल पटेल

अहमदाबाद।

मौसम के जानकार अंबालाल पटेल ने मौसम को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है। अंबालाल पटेल के मुताबिक आगामी 10 जून यानी अगले 12 दिन गुजरात पर भारी साबित हो सकते हैं। बता दें कि अंबालाल पटेल पहले ही 28 मई से 10 जून तक बेमौसमी बारिश और अरब सागर में चक्रवात की संभावना व्यक्त कर चुके हैं। गुजरात पर इसका सीधा असर पड़ेगा। पटेल की भविष्यवाणी के मुताबिक 28 मई को गुजरात के कई शहरों में तेज हवा के साथ जबर्दस्त बारिश हुई। अहमदाबाद शहर में तेज हवा, गरज और ओले के साथ मूसलाधार बारिश हुई। अंबालाल पटेल के मुताबिक गुजरात के कई हिस्सों में चक्रवात का असर हो सकता है। 28 मई से 4 जून के बीच अरब सागर में चक्रवात सक्रिय होगा। अरब सागर में चक्रवात के सक्रिय होने से गुजरात के कई इलाकों में बारिश हो सकती है। पश्चिमी सौराष्ट्र, कच्छ और दक्षिण गुजरात में फिर बेमौसमी बारिश की संभावना है। अंबालाल के मुताबिक अब अरब सागर में हलचल तेज होगी और सामान्य चक्रवात सक्रिय होगा, जिसके असर से गुजरात के मौसम में बदलाव आएगा। आगामी 10 जून तक गुजरात में बारिश की संभावना है। 2 जून को तटीय समेत अन्य क्षेत्रों में तेज हवा चलने की संभावना है। 4 और 5 जून को तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है।

विवाहिता का कपड़े बदलने का वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल कर 6 लाख ऐंठे

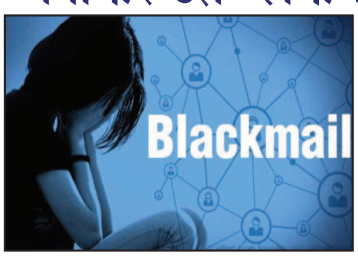

सूरत।

शहर के कामरेज क्षेत्र में रहनेवाली विवाहित महिला को ब्लैकमेल कर उससे छह लाख रुपए ऐंठने और बार बार उसके साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। आरोपी शख्स पीड़ति के पति का दोस्त है, जिसने विवाहिता का कपड़े बदलते वक्त का वीडिया बना लिया और उसी के आधार पर उसे ब्लैकमेल और यौन शोषण किया। जानकारी के मुताबिक सूरत के कामरेज क्षेत्र में रहनेवाली महिला दो साल पहले राजकोट में अपने परिवार के साथ रहती थी। बाद में विवाहित परिवार के साथ सूरत के कामरेज में रहने लगी। राजकोट में विवाहिता के घर सामने रहनेवाला रवि चावड़ा नामक शख्स उसके पति का दोस्त था। विवाहिता के सूरत पहुंचने के बाद रवि चावड़ा ने वॉट्सएप पर चैट करना शुरू किया। पति का दोस्त होने के कारण पत्नी भी उसका जवाब और बातचीत भी करने लगी। इस बीच महिला सूरत से राजकोट गई थी। जहां वह जब कपड़े बदल रही थी, तब रवि चावड़ा ने उसका वीडियो बना लिया। जिसके बाद वह विवाहिता को उसका वीडियो वायरल करने की धमकी देने और अश्लील मांग करने लगा। रवि चावड़ा ने विवाहिता से एक बार रु. 5.50लाख और एक बार रु. 50 हजार रुपए ऐंठ लिए। साथ ही वीडियो वायरल करने की धमकी देकर विवाहिता के साथ अनेकों बार दुष्कर्म किया। आरोपी ने महिला के साथ दुष्कर्म ही नहीं अप्राकृतिक यौन शोषण भी किया। इसके बावजूद रवि चावड़ा की मांग कम नहीं हुई। तंग आकर विवाहिता ने आखिरकार अपने पति को आपबीती सुना दी। पति ने पत्नी को हिम्मत दी और सूरत के पाल पुलिस थाने में रवि चावडा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस ने रवि चावडा को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है।

मोटा वराछा स्थित गजेरा मैदान में श्री हनुमान चालीसा युवा कथा का आयोजन किया

सूरत। यह कथा 31 मई से 6 जून तक श्री हनुमान चालीसा युवा कथा समिति द्वारा सूरत शहर के बाहरी इलाके में सूर्यपुत्री तापी नदी के तट पर मोटा वराछा स्थित गजेरा मैदान में आयोजित की जाएगी। सलंगपुर धाम के शास्त्री हरिप्रकाशदास स्वामी कथा से हजारों लोगों का मनोरंजन करेंगे। आइए हम आपको पूरी जानकारी बताते हैं कि इस कहानी में लोगों के लिए क्या खास इंतजाम किए गए हैं और कहानी में क्या-क्या आकर्षण होंगे।

यह कथा लोगों को यह अनुभव करायेगी कि सलंगपुर धाम में पराजित हुए श्रीकष्टभंजनदेव हनुमानजी यहाँ साक्षात हैं। यह कथा 31 मई से 6 जून तक रात 8.30 से 11.30 बजे तक होगी। सालंगपुर धाम के शास्त्री हरिप्रकाशदासजी स्वामी कथा सुनाएंगे। गौरतलब है कि इस कथा में सनातन हिन्दू धर्म में हनुमानजी महाराज की महिमा जन-जन तक पहुंचे, सभी समाजों को एक साथ रखकर एक उत्कृष्ट राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से युवाओं में राष्ट्रीय भक्ति और आध्यात्मिक भक्ति प्रकट होती है और युवा निकल जाते हैं वे अपने व्यसनों को दूर करते हैं और हनुमान दादा को अपना आदर्श मानकर सही मार्ग की ओर मुड़ते हैं।

यह कहानी विशेष रूप से युवाओं के लिए बनाई गई है। आयोजकों के अनुसार आज के युग में जब युवा हनुमान दादा को अपना आदर्श मानते हैं तो इस कहानी का नाम युवा कथा रखा गया है ताकि अधिक से अधिक युवा इस कहानी से जुड़ सकें। कहानी के माध्यम से श्री कस्तभंजन दादा के दिव्य चरित्रों से युवाओं को रूबरू कराने का उद्देश्य है। कहानी का उद्देश्य युवाओं को नशामुक्त करने के साथ-साथ देशभक्ति और भक्ति का मेल भी है। प्रतिदिन कथा से पहले राष्ट्रगान भी गाया जाएगा। कथा स्थल पर 25 हजार से अधिक लोग बैठकर दादा की कथा सुन सकें, इसके लिए योजना पर काम चल रहा है। इसके अलावा लोगों के वाहनों की पार्किंग सहित वहां व्यवस्था की जा रही है।

कथा स्थल पर दो बड़े धार्मिक स्टॉल भी लगेंगे।

आयोजकों के मुताबिक कथा स्थल पर दो धार्मिक स्टॉल भी लगाई जाएंगी। जहां से श्रीकष्टभंजन देव हनुमानजी दादा से संबंधित समस्त धार्मिक साहित्य की बिक्री होगी। यह स्टॉल सलंगपुर संस्था द्वारा ही लगाया जाएगा। जहां से लोग दादा के फोटो फ्रेम सहित सारा साहित्य खरीद सकेंगे।

कथा के साथ-साथ सामाजिक कार्य भी होंगे।

इस 7 दिवसीय अभियान के दौरान प्रतिदिन रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क सर्व रोग निदान शिविर का भी आयोजन किया गया है। सभी रोग निदान शिविर में कार्डियोलॉजी, मधुमेह, मस्तिष्क और रीढ़, बाल रोग, जोड़ों और हड्डियों, पेट के रोग, नेत्र रोग, स्त्री रोग, कैंसर विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपी, दंत रोग, वेगेरे के अनुभवी और प्रसिद्ध डॉक्टरों द्वारा जांच की जाएगी।

कहानी का कार्यक्रम।

अगली तिथियां हैं 28 मई को मारुती यज्ञ, 31 मई को भव्य एवं भव्य पोटियात्रा, 3 जून को हनुमान जन्मोत्सव, 4 जून को दादा का भव्य अन्नकूट, 6 जून को कथा पूर्णाहुति। इसके अलावा 1 जून से 5 जून तक चिकित्सा शिविर और रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया है।

एक शाम "साहसियों" के नाम कार्यक्रम में कीर्तिदान गढ़वी ने बांधा समां

सूरत॰ ऑन ड्यूटी के दौरान हुए हादसों में घायल होने से निशक्त हुए विभिन्न विभाग के कर्मचारियों के सम्मान ने रविवार को इंडोर स्टेडियम में च्एक शाम साहसियों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ऑन ड्यूटी के दौरान हुए हादसों में घायल हुए गुजरात के कुल 28 लोगों को और उनके परिवारों को सम्मानित किया गया। प्रतिपालना चेरिटेबल ट्रस्ट और विश्व हिंदू महासंघ गुजरात की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में गुजरात के लोक प्रसिद्ध गायक कीर्तिदान गढ़वी ने समां बांध दिया। कीर्तिदान गढ़वी के डायरा से राशि इकठ्ठा हुई है, उसे भी ऐसे ही च्साहसिकज्ञ कर्मचारियों की सहायता के लिए उपयोग में ली जाएगी।

आयोजक नितिन कुमठ ने बताया कि हमारे जीवन को आसान बनाने में विभिन्न विभागों में सेवारत कर्मचारियों का बड़ा योगदान है। बॉर्डर पर जवान हमारी और देश की रक्षा करते हैं उसी तरफ दमकल कर्मी, बिजली कंपनी के कर्मी, पुलिस कर्मी अपनी जान जोखमी में डाल कर अपनी ड्यूटी निभाते हैं। आग लगने पर हम जहां दूर भागते है, तब दमकल कर्मी आग के अंदर जाते हैं। ऐसे में कई बार वे हादसों का शिकार हो जाते हैं। यह समाज के सच्चे हीरोज हैं। बीते कुछ सालों में ऑन ड्यूटी हादसों में घायल होने से जो निशक्त हो चुके हैं ऐसे साहसियों को सम्मान देना समाज का कर्तव्य है। इसी कर्तव्य को ध्यान में रखते हुए रविवार को 28 लोगों को सम्मानित किया गया। सम्मान के साथ उन्हें आर्थिक सहायता अर्पित की गई। नवीन कुमठ ने बताया कि इंडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में कीर्तिदान गढ़वी की प्रस्तुति पर लोग झूम उठे। कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, समाज अग्रणी समेत आठ हजार लोग मौजूद थे। इन सभी के बीच सम्मानित होते हुए देख घायल कर्मचारी और उनके परिवार के लोग गदगद हो गए। आयोजकों ने बताया कि कीर्तिदान गढ़वी के डायरा से जो भी राशि इकठ्ठा हुई है उसे इन साहसिक कर्मचारियों के सहायता के लिए खर्च की जाएगी। आयोजक नवीन कुमठ ने इस अवसर पर यह भी कहा कि समाज सेवा की दिशा में यह पहला बड़ा कार्यक्रम था और भविष्य में भी समाज के उत्कर्ष के लिए संस्था की ओर से इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

ओ साँवरे... मुझे तेरी ज़रूरत है..., इत्र-फुहार के बीच झूमे भक्त

सूरत भूमि, सूरत।

वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मन्दिर, सूरतधाम में रविवार को देर रात तक चली भजन संध्या में सैंकड़ों भक्तों ने बाबा को रिझाया । बाबा की ज्योत लेने के किए भक्तों की लंबी-लंबी क़तारें देर रात तक लगी रही । आयोजन के दौरान पूरे पण्डाल में इत्र-फुहार का विशेष आयोजन किया गया । श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा मंदिर विस्तार हेतु आयोजित आठ दिवसीय "श्री श्याम आशीर्वाद" महोत्सव का रविवार को समापन हुआ । इस मौक़े पर रात्रि साढ़े सात बजे से विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया । बाबा श्याम की ज्योत प्रज्वलन के पश्चात भजन संध्या में चंडीगढ़ से आमंत्रित प्रसिद्ध भजन गायक कलाकार कन्हैया मित्तल ने भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी । उनके भजन "ओ साँवरे...मुझे तेरी ज़रूरत है...", "मेरी अँखिया करे इंतज़ार साँवरे" एवं लेने आज सूरत वाले मुझे वीआइपी रोड पे" पर भक्त भाव विभोर हो झूम उठे । कन्हैया मित्तल ने भगवान राम के मन्दिर पर भी भजन सुनाये ।

देर रात तक चली भजन संध्या के दौरान पूरे पांडाल के अलावा पूरा मंदिर परिसर भक्तों से भरा हुआ था । इस मौक़े पर ट्रस्ट के अनेकों सदस्य मौजूद रहे ।

इक्विटी बचत योजनाओं में किसे निवेश करना चाहिए? : गौरव राजनारायण मेहरोत्रा, म्युचुअल फंड वितरक

इक्विटी सेविंग्स स्कीम्स, सीधे शब्दों में कहें तो ओपन-एंडेड म्युचुअल फंड योजनाएं हैं जो इक्विटी और डेट में निवेश करती हैं। उनके पास इक्विटी से संबंधित आर्बिट्रेज अवसरों में निवेश करने की क्षमता है ताकि इक्विटी के नकारात्मक जोखिम के खिलाफ बचाव प्रदान किया जा सके। नियमों के अनुसार, इन योजनाओं को इक्विटी और इक्विटी से संबंधित साधनों में कम से कम 65त्न निवेश करना चाहिए, जबकि डेट में न्यूनतम आवंटन 10त्न से कम नहीं होना चाहिए। ये योजनाएं उन निवेशकों को समाधान प्रदान करती हैं जिनके पास लघु से मध्यम अवधि के निवेश उद्देश्य हैं।

ये योजनाएं न तो शुद्ध इक्विटी हैं और न ही शुद्ध डेट फंड। वे उन निवेशकों के लिए उपयुक्त विकल्प हैं जिनके पास निम्न से मध्यम जोखिम प्रोफाइल है। जो निवेशक उच्च रिटर्न का पीछा करना चाहते हैं और उच्च जोखिम लेने की क्षमता रखते हैं, उन्हें इस श्रेणी की योजनाएं आकर्षक नहीं लग सकती हैं। बाजार के उतार-चढ़ाव को लेकर चिंतित निवेशक इस कैटेगरी में निवेश कर सकते हैं।

विशेष रूप से, जो निवेशक रुढ़िवादी नजरिए के साथ बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट या रेकरिंग डिपॉजिट जैसे पारंपरिक निवेश के रास्ते तलाशते हैं, वे इक्विटी बचत योजना को एक विकल्प के रूप में मान सकते हैं। इससे न केवल अधिक रिटर्न प्राप्त हो सकता है, बल्कि यह नियमित डेट म्युचुअल फंड योजनाओं या निवेश के पारंपरिक तरीकों से रिटर्न को मात देने का प्रयास करेगा।

उदाहरण के लिए, यदि आपका वित्तीय लक्ष्य 2-3 साल की समय सीमा के भीतर है और आप अनुचित जोखिम लेने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे निवेशकों के लिए, इक्विटी बचत योजना अत्यधिक मददगार साबित हो सकती है क्योंकि इसके परिसंपत्ति आवंटन और विविधीकरण के साथ-साथ आर्बिट्रेज के माध्यम से हेजिंग क्षमता मन मुताबिक परिणाम दे सकती है।

इस प्रकार, ऐसी योजनाएं दो प्रकार के निवेशकों के लिए उपयुक्त हैं। सबसे पहले, उनके लिए जो रूढ़िवादी दृष्टिकोण रखते हैं और जोखिम को सबसे नीचे रखना चाहते हैं। निवेशकों का एक और समूह वे हैं जिनके वित्तीय लक्ष्य कम अवधि में पहुंच रहे हैं और नकारात्मक जोखिम को कम करने के लिए हेजिंग जैसी जोखिम को दूर करने वाली रणनीतियों को बनाए रखते हुए इक्विटी विकास क्षमता को खोना नहीं चाहते हैं।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी बचत योजना, इस श्रेणी की एक प्रमुख योजना है, जो इस प्रकार के निवेशकों को पूरा करने के लिए अच्छी तरह से तैयार है। ऐसे व्यक्ति जो उचित ग्रोथ चाहते हैं, लेकिन स्थिरता की कीमत पर नहीं, वे इस योजना को छोटी से मध्यम अवधि के निवेश के नजरिए से निवेश करने पर विचार कर सकते हैं।

बजाज आलियांज लाइफ ने विशेष रूप से टाईप-2 डायबेटिक्स और प्री-डायबेटिक्स ले लिए डिजाइन किया गया भारत का पहला टर्म प्रोडक्ट लॉन्च किया

पुणे।

भारत को 'दुनिया की मधुमेह राजधानी' के रूप में जाना जाता है। देश में मधुमेह की आबादी के 2025 तक 69.9 मिलियन और 2030 तक 80 मिलियन के खतरनाक स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है(2)। भारत की आबादी का एक बड़ा हिस्सा जो मधुमेह से पीड़ति है, वर्तमान में बीमाकृत है। मधुमेह को जटिल बीमारी कहा जाता है, जिन लोगों को इसका पता चलता है, उनके लिए अपने परिवार की जरूरतों को आर्थिक रूप से सुरक्षित करने के लिए व्यापक जीवन कवर प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण होता है।

मधुमेह के व्यक्तियों को सशक्त बनाने और उन्हें अपने प्रियजनों के जीवन लक्ष्यों को हासिल करने के बारे में आश्वस्त होने में सक्षम बनाने के लिए, भारत के प्रमुख निजी जीवन बीमाकर्ताओं में से एक, बजाज आलियांज लाइफ ने एक विशेष टर्म प्लान बजाज आलियांज लाइफ डायबिटिक टर्म प्लान सब 8 एचबीए1सी लॉन्च किया है। यह भारतीय जीवन बीमा उद्योग में अपने तरह का पहला सुरक्षा प्लान है जिसे विशेष रूप से टाइप 2 डायबिटिक और प्री-डायबिटिक व्यक्तियों के लिए डिज़ाइन किया गया है।

बजाज आलियांज लाइफ़ का डायबिटिक टर्म प्लान सब 8 एचबीए1सी मधुमेह वाले लोगों की स्वास्थ्य स्थिति की बारीकियों को ध्यान में रखते हुए जीवन बीमा कवरेज प्रदान करता है। प्री-डायबिटिक या टाइप 2 डायबिटिक व्यक्तियों के लिए जिनका एचबीए1सी 8त्न (3) तक है(3) । यह व्यापक प्लान उन्हें अपने प्रियजनों के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम बनाएगा।

इस एक्सक्लूसिव प्रोडक्ट के लॉन्च के मौके पर बजाज आलियांज लाइफ के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री तरुण चुघ ने कहा, "लाइफ गोल्स एनेबलर्स के रूप में हम खुद में नयापन लाने की चुनौती लगातार लेते रहते हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग अपने जीवन के लक्ष्यों को हासिल कर सकें। मधुमेह रोगियों के लिए डिज़ाइन किए गए अपनी तरह के इस पहले टर्म प्लान के साथ, मुझे खुशी है कि हम कई भारतीयों को उनके परिवार की लंबी अवधि की वित्तीय योजनाओं को सुरक्षित करने में मदद करने में सक्षम होंगे, जिससे उन्हें मानसिक शांति मिलेगी। हम अपने डायबिटिक ग्राहकों को उनके स्वास्थ्य के प्रबंधन और रखरखाव के लिए एक इको-सिस्टम भी प्रदान करेंगे। हम समझते हैं कि वे अपने इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित करने के लिए बहुत कुछ करते हैं, और उनकी यात्रा में हमवतन के रूप में हम उनके स्वास्थ्य लक्ष्यों को पूरा करने के लिए उनकी पॉलिसी की वर्षगांठ पर प्रीमियम में 10% की कमी की पेशकश करेंगे।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)